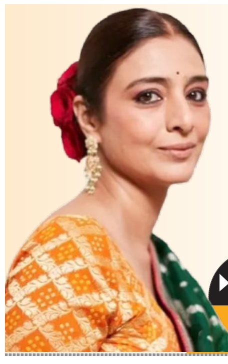

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

P7 चंद्र सिद्धार्थ की तेलुगु फिल्म की हीरोइन बनीं तब्बू

P8 पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने NHRC प्रमुख बनाए जाने के दावों को किया खारिज

39 बैठकें, 105 घंटे की कार्यवाही | संसद के शीतकालीन सत्र का समापन

हंगामे में खो गए जनता के सवाल

54%
लोकसभा की प्रोडक्टिविटी

राज्यसभा में रही 41%

सिर्फ चार विधेयक हुए पारित, कोई पास नहीं

सबसे चर्चित बिल
वन नेशन, वन इलेक्शन

संसदीय कार्यवाही

एजेंसी | नई दिल्ली

18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र समाप्त हो गया है. यह सत्र काफी हंगामेदार रहा. सत्र की शुरुवात अडानी से हुई और धक्का-मुक्की कांड पर समाप्त हुआ. पूरे सत्र में कुल 20 बैठकें लोकसभा और 19 बैठके राज्यसभा में हुईं। दोनों सदन (लोकसभा और राज्यसभा) में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली है। लोकसभा के इस सत्र के दौरान उत्पादकता 57।87% रही। सत्र के दौरान लोकसभा में पांच सरकारी विधेयक पेश किए गए और चार विधेयक पारित किए गए। शून्य काल के दौरान अविलंबनीय लोक महत्व के 182 मामले उठाए गए और नियम 377 के अंतर्गत 397 मामले उठाए गए। यह सत्र 25 नवंबर से शुरू हुआ था।

संसद में कामकाज और बैठकों में लगातार कमी

संसद में कामकाज में लगातार काम में कमी आ रही है। पिछले 10 सत्रों के आंकडों से यही संकेत मिलते हैं। अठारहवीं लोकसभा के बजट सत्र में प्रोडक्टिविटी 135% रही। इस दौरान राज्यसभा में प्रोडक्टिविटी 112% रही थी। 17वीं लोकसभा में 274 बैठकें हुई थीं और 222 बिल पास हुए थे। अधिकांश बिल पेश होने के दो हफ्ते के भीतर पास हुए थे। इनमें से एक तिहाई बिल एक घंटे से भी कम समय में पास हो गए थे। केवल 16% बिल ही स्टैंडिंग कमेटी को भेजे गए थे। 17वीं लोकसभा ने केवल 1,354 घंटे काम किया गया। 15 में से 11 सत्र समय से पहले स्थगित किए गए। संसद की बैठकों में लगातार कमी आ रही है। पहली लोकसभा में साल में 135 बैठकें हुई थीं जबकि पिछली लोकसभा में साल में केवल 55 बैठकें हुईं।

61 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए

भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा 13 दिसंबर को शुरू हुई और 14 दिसंबर को समाप्त हुई। शून्य काल के दौरान 61 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए और सदस्यों द्वारा अविलंबनीय लोक महत्व के 182 मामले उठाए गए। संसद में 28 नवंबर को दो नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली थी।

शीतकालीन सत्र में सबसे कम उत्पादकता

लोक सभा का शीतकालीन सत्र अब तक के सभी सत्रों में सबसे कम उत्पादकता वाला रहा। लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57% रही और राज्यसभा की प्रोडक्टिविटी 43% रही। संविधान पर चार दिन चर्चा चली और बाकी समय शोरशराबा और हंगामा होता रहा। यह सत्र 25 नवंबर से शुरू हुआ था। 26 दिनों के इस सत्र में 19 बैठकें हुईं।

निलंबन का आंकड़ा भी बढ़ा

सांसदों के निलंबन का आंकड़ा भी बढ़ा है। पहली लोकसभा में एक सांसद का निलंबन हुआ था। आठवीं लोकसभा में 66, चौदहवीं लोकसभा में 50, सोलहवीं लोकसभा में 81 और सत्रहवीं लोकसभा में 115 सांसदों का निलंबन हुआ।

महाराष्ट्र विधानसभा में 33.7 हजार करोड़ की अनुपूरक मांग पारित

- लाडकी बहिन योजना को मिली 46,000 करोड़ की राशि

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा ने शुक्रवार को 33,788.40 करोड़ रुपए की पूरक मांगों को पारित कर दिया, जिसमें राज्य सरकार की प्रमुख योजना मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना के लिए 1400 करोड़ रुपए का प्रावधान शामिल है। सोमवार को विधानसभा में मंत्री उदय सामंत की तरफ से पेश की गई पूरक मांगों को निचले सदन में बहस के बाद पारित कर दिया गया। पिछले बजट में राज्य सरकार ने लड़की बहिन योजना के लिए 46,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया था, जिसके तहत 2.5 लाख रुपए से कम वार्षिक पारिवारिक आय वाली 2.5 करोड़ से अधिक महिलाओं को मासिक सहायता के रूप में 1500 रुपए मिलते हैं।

सीएम फडणवीस ने राशि में बढ़ोतरी का किया था एलान

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में कहा था कि यह मासिक सहायता बढ़ाकर 2100 रुपए की जाएगी। पूरक मांगों में सिंधुदुर्ग जिले के मालवान में राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के निर्माण के लिए 36 करोड़ रुपए का प्रावधान शामिल है। पात्र चीनी सहकारी कारखानों को मार्जिन मनी ऋण प्रदान करने के लिए 1,204 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

राज्य सरकार की मुख्यमंत्री बलिराजा योजना जिसके तहत किसानों को मुफ्त बिजली मिलती है, के लिए 3050 करोड़ रुपए प्रदान किए गए हैं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को 7490 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, उद्योग, बिजली और श्रम विभागों के लिए 4112 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है, जबकि शहरी विकास विभाग को 2774 करोड़ रुपए मिले हैं।

चुनाव में योजना से सरकार को हुआ लाभ!

ग्रामीण विकास विभाग के लिए 2007 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है, जबकि आदिवासी विकास विभाग को 1830 करोड़ रुपए दिए गए हैं। अनुपूरक मांगें सरकार की तरफ से बजटीय आवंटन से अधिक मांगी गई अतिरिक्त धनराशि हैं। बता दें कि, राज्य में महायुति सरकार की वापसी में मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना को एक बड़ा कारक माना जा रहा है।

संजय राउत के बंगले की रेकी

- बाइक से आए संदिग्ध, खींची तस्वीरें और हो गए रफूचक्कर
- पुलिस कर रही जांच

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के सांसद संजय राउत के बंगले पर दो अज्ञात लोगों ने रेकी की है। सांसद राउत मुंबई के पूर्वी उपनगर भांडुप में रहते हैं। सुबह बाइक पर आए दो लोगों ने उनके घर की निगरानी की। सूचना पर मुंबई पुलिस राउत के घर पहुंच गई है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

संजय राउत के मैत्री बंगले पर रेकी

20 दिसंबर को सुबह करीब 9:15 बजे से 9:30 बजे के बीच संजय राउत के मैत्री बंगले पर रेकी की गई। बाइक पर दो अज्ञात व्यक्ति राउत के घर के पीछे आए थे। वे कुछ सेकंड के लिए वहां रुके। इसके बाद वे यू टर्न लेकर चले गए। उनमें से एक ने हेलमेट पहन रखा था। वहीं दूसरे ने अपना चेहरा पूरी तरह ढक लिया। पुलिस इन दोनों अज्ञात लोगों की तलाश कर रही है।

भांडुप में रहते हैं संजय राउत

संजय राउत भांडुप के मैत्री बंगले में रहते हैं। शुक्रवार सुबह इस बंगले के पीछे से दो अज्ञात व्यक्ति बाइक पर आए। उन्होंने राउत के घर की रेकी की। अज्ञात के पास 8 से 10 मोबाइल फोन थे। फिलहाल पुलिस राउत के घर पहुंच गई है। जानकारी सामने आई है कि राउत के घर की पहले भी तलाशी ली जा चुकी है। पुलिस रेकी करने वाले दोनों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस इन सवालों के जवाब तलाश रही है कि आखिर वे दो लोग कौन हैं जिन्होंने राउत के बंगले की रेकी की थी। वे उनके बंगले के इलाके में क्यों आए थे और उनका इरादा क्या था। यह जानने के लिए फिलहाल पुलिस राउत के घर पहुंच चुकी है।

परभणी हिंसा और बीड सरपंच हत्या मामला

एक्शन मोड में फडणवीस सरकार

- मामले की न्यायिक जांच होगी
- सीएम ने किया बीड के पुलिस अधीक्षक का ट्रांसफर
- देशमुख-सूर्यवंशी के परिजनों को 10-10 लाख रुपए

धीरज सिंह | मुंबई/नागपुर

विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने परभणी हिंसा और बीड जिले में सरपंच की हत्या के मामले में न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही परभणी मामले में गिरफ्तारी के बाद हिरासत में मारे गए सोमनाथ सूर्यवंशी और बीड़ के सरपंच संतोष देशमुख के परिजनों को 10-10 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। मामले में पुलिस पर ढ़िलाई का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक का ट्रांसफर कर दिया गया है। फडणवीस ने सदन को भरोसा दिलाया कि बीड में अराजकता फैलाने के लिए जिम्मेदार लोगों को राजनीतिक जुड़ाव की परवाह किए बिना दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीड जिले की घटना में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से शामिल सभी लोगों के खिलाफ मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। सदन में मुख्यमंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने विधानसभा से वॉकआउट किया।

हत्या का क्या है मामला?

विधानसभा में फडणवीस ने सरपंच की हत्या से संबंधित जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि 6 दिसंबर को अशोक घुले, सुदर्शन घुले और प्रतीक घुले बीड जिले में एक ऊर्जा परियोजना स्थल पर गए। वहां पर चौकीदार अमरदीप सोनावणे तथा परियोजना प्रबंधक शिवाजी थोपटे की पिटाई की। अशोक, सुदर्शन और प्रतीक पड़ोसी गांव के हैं। इसकी जानकारी गांव के सरपंच संतोष देशमुख को दी गई। देशमुख ने इन तीनों को खरी-खोटी सुनाई। फिर 9 दिसंबर को सरपंच देशमुख अपनी गाड़ी से टोल नाके पर पहुचे। वहां एक काली स्कॉर्पियो ने देशमुख की गाड़ी रोक ली। उन्हें गाड़ी से बाहर निकाला गया और स्कॉर्पियो में डाल दिया गया। देशमुख को कार के अंदर बेरहमी से पीटा गया। फिर गाड़ी से बाहर निकालकर मारा। देशमुख की वहीं पर ही मौत हो गई। आरोपी वहां से भाग गए।

तीन लोगों की तलाश जारी

फडणवीस ने कहा कि देशमुख के भाई विष्णु चाटे नामक व्यक्ति के संपर्क में थे और उससे सरपंच को छोड़ देने की गुहार भी लगाई। चाटे बीड जिले में एनसीपी का तहसील प्रमुख था। पुलिस वसूली और हत्या के बीच संबंध की जांच भी कर रही है। इस मामले के सरगना को सजा दिलाई जाएगी। अगर हत्या में वाल्मिक कराड की संलिप्तता साबित होती है, तो कार्रवाई की जाएगी। जबरन वसूली मामले में उसकी संलिप्तता साबित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ मकोका अंतर्गत कार्रवाई होगी। बीड जिले में एनसीपी के पूर्व तहसील प्रमुख विष्णु चाटे को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें 27 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। इससे पहले गिरफ्तार किए गए लोगों में जयराम चाटे, महेश केदार और प्रतीक घुले शामिल हैं। वहीं, पुलिस तीन अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

परभणी हिंसा में 51 पर केस, 43 अरेस्ट

परभणी हिंसा मामले के बाबत मुख्यमंत्री फडणवीस ने सदन को बताया कि 10 दिसंबर की दोपहर को सोपान पवार नामक व्यक्ति ने परभणी रेलवे स्टेशन के बाहर बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के पास संविधान की (कांच से ढकी) प्रतिकृति का अपमान किया। सोपान पवार मानसिक रूप से अस्थिर है और 2012 से उसका इलाज हो रहा है। चार चिकित्सकों ने उसकी जांच की और उसकी समस्याओं का उल्लेख किया। बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के अपमान का मामला सामने आने के बाद पुलिस उस जगह पर पहुंची, जहां भीड़ ने वाहनों में तोड़फोड़ की थी। अगले दिन परभणी जिले में बंद का ऐलान किया। उस दिन 200-300 लोगों ने हिंसा की और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। स्थिति पर काबू पाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस और लाठीचार्ज किया। कुछ महिलाएं कलेक्टर के कार्यालय में घुस गईं, जहां पर उन्होंने तोड़फोड़ की। पुलिस ने आगजनी के आरोप में 51 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर 43 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि महिलाओं और बच्चों को नोटिस देकर छोड़ दिया गया।

एकनाथ शिंदे का उद्धव ठाकरे को सौगात

- 2022 से पहले के पार्टी फंड पर छोड़ा दावा

दीपक पवार | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महायुति की प्रचंड जीत के बाद शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सीएम देवेंद्र फडणवीस से नागपुर में मुलाकात की थी, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी थी। अब चुनावों के बाद डिप्टी सीएम बने एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के प्रति नरम रुख अपनाया है और उन्हें राहत देने वाला एक बड़ा कदम उठाया है।

उद्धव ठाकरे को राहत: शिंदे का फंड लौटाने का फैसला

शिवसेना के दो फाड़ होने के बाद एकनाथ शिंदे को शिवसेना और चुनाव चिन्ह मिल गए थे, जबकि उद्धव ठाकरे को अपनी नई पार्टी 'शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे)' बनानी पड़ी थी। अब, शिंदे ने राजनीतिक कड़वाहट को भुलाकर एक सकारात्मक मिसाल कायम करने का फैसला किया है। शिंदे ने 2022 से पहले शिवसेना के खाते में जमा हुई रकम को उद्धव ठाकरे को लौटाने का निर्णय लिया है। यह फैसला उद्धव ठाकरे के लिए बड़ी राहत का कारण बन सकता है, क्योंकि पार्टी में बगावत और मुख्यमंत्री की कुर्सी से हाथ धोने के बाद उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा था। हालांकि, उद्धव ठाकरे के गुट से अभी तक इस फैसले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पहली बार नरम रुख अपनाते हुए शिंदे ने लिया यह फैसला

शिवसेना के दो फाड़ होने और चुनावी घटनाक्रम के बाद यह पहली बार है जब एकनाथ शिंदे ने अपने विरोधी उद्धव ठाकरे के प्रति नरम रुख अपनाया है। चुनाव आयोग ने शिंदे के दावे को स्वीकार करते हुए उन्हें शिवसेना पार्टी और चुनाव चिन्ह दे दिए थे। शिंदे ने पहले यह भी कहा था कि वह शिवसेना की संपत्ति और बैंक खाते में मौजूद पैसों पर दावा नहीं करेंगे। अब, उन्होंने 2022 से पहले के फंड को शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे को देने का निर्णय लिया है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 11.32 करोड़ रुपए की ड्रग बरामद, दो गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर 11.32 करोड़ रुपए की ड्रग के साथ बैंकाक से आए दो यात्रियों को गिरफ्तार किया है। दोनों यात्रियों ने बरामद ड्रग्स को वैक्यूम-सील प्लास्टिक पाउच में छिपाकर ट्रॉली बैग के अंदर रखा था। इस मामले की गहन छानबीन एनसीबी की टीम कर रही है।

दोनों से गहन पूछताछ जारी

एनसीबी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि मुंबई एयरपोर्ट पर ड्रग सहित यात्री के आने की गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी जानकारी के आधार पर गुरुवार देर रात मुंबई एयरपोर्ट पर एनसीबी की टीम निगरानी कर रही थी। उनकी टीम ने बैंकॉक से आए दो संदिग्ध यात्रियों को रोका और उनके सामान की तलाशी। दोनों ने अपने सामान के अंदर 11.322 किलोग्राम ड्रग प्लास्टिक पाउच में छिपा कर रखा था, जिसे एनसीबी ने बरामद कर लिया। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और दोनों से गहन पूछताछ जारी है।

'मैं झुकेगा नहीं...'

महाराष्ट्र सरकार की एडवाइजरी पर दिलजीत दोसांझ का 'फायर' जवाब

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

दलजीत दोसांझ ने अपने कॉन्सर्ट से पहले महाराष्ट्र सरकार की ओर से थमाई गई एडवाइजरी को लेकर रिएक्ट किया। फैंस को बेफिक्र रहने की सलाह दी। कॉन्सर्ट के दौरान अपने फैंस को संबोधित करते हुए उन्होंने सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी पर राय रखी। दरअसल, एडवाइजरी में उन्हें ऐसे गानों पर परफॉर्म करने से रोकने की बात थी जो ड्रग्स, हिंसा और शराब को बढ़ावा देते हो। इसके साथ ही कहा गया था कि स्टेज पर बच्चों को न आने दिया जाए।

दिलजीत दोसांझ ने कहा, "मैंने कल अपनी टीम से पूछा कि मेरे खिलाफ कोई एडवाइजरी तो नहीं है, बोला सब ठीक है। आज सुबह उठा तो पता चला कि मेरे खिलाफ एडवाइजरी जारी हो चुकी है।

जयपुर में एलपीजी टैंकर ब्लास्ट

11 की मौत, 35 झुलसे, 15 घायलों की स्थिति गंभीर

एजेंसी | जयपुर

के भांकरोटा क्षेत्र में अजमेर-जयपुर हाइवे पर एलपीजी टैंकर में ब्लास्ट के बाद अभी तक इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि एसएमएस अस्पताल में 29 घायलों का इलाज चल रहा है। इनमें से 15 घायलों की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है।

डॉ. सुशील भाटी ने बताया कि एसएमएस अस्पताल में अभी तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि एक घायल की मौत पहले ही जयपुरिया अस्पताल में हुई है।

उन्होंने बताया कि इनमें से अभी भी पांच घायल ऐसे हैं, जिनके बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है। ऐसे में उनकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा डिपार्टमेंट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की भी मदद की जा रही है, ताकि इन लोगों की पहचान की जा सके। इसके अलावा एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। अस्पताल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, हादसे के बाद 43 लोगों को इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल में लाया गया था। इनमें से 29 घायलों का इलाज अभी भी अस्पताल में चल रहा है। इनमें से 15 घायल ऐसे हैं, जो 50 फ़ीसदी से अधिक झुलस गए हैं। चिकित्सकों का कहना है कि आमतौर पर अधिक बर्न हो जाने के कारण घायल में इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

मराठी परिवार पर हमला मामला

सरकारी कर्मचारी और उसकी पत्नी के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

कल्याण। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को बताया कि ठाणे जिले के कल्याण में एक मराठी परिवार पर हमला करने के मामले में राज्य सरकार के एक कर्मचारी और उसकी पत्नी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कर्मचारी के निलंबन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी अखिलेश शुक्ला महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम (एमटीडीसी) का कर्मचारी है। इस मुद्दे को उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट के विधायक अनिल परब ने महाराष्ट्र विधानसभा में उठाया था। जिस पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह जानकारी दी।

मराठी लोगों के साथ अन्याय नहीं होगा: मुख्यमंत्री

आरोपी सरकारी कर्मचारी ने आत्मसमर्पण किया: पुलिस

वरिष्ठ निरीक्षक अमरनाथ वाघमोरे ने बताया कि आरोपी महाराष्ट्र सरकार के कर्मचारी ने आज पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने कहा, हम अन्य आरोपियों का भी पता लगाएंगे।

क्या हुआ था पूरा मामला ?

पुलिस के मुताबिक, यह घटना 18 दिसंबर की रात 8.45 बजे के आसपास हुई। आरोपी और पीड़ित एक इमारत में एक ही मंजिल में रहते थे। प्राथमिकी के मुताबिक, पीड़ित ने शुक्ला को अपने पड़ोसी से अगरबत्ती जलाने को लेकर लड़ते हुए देखा। पीड़ित ने शुक्ला से शांत होने और पूरे मराठी समुदाय के लिए अपशब्द न कहने का आग्रह किया। इस पर आरोपी और उसकी पत्नी गुस्से में आ गए और पीड़ित व उसकी पत्नी की पिटाई कर दी। आरोपियों ने पीड़ित पर धारदार हथियार, लोहे की छड़ी, पाइप और लकड़ी की छड़ों से हमला किया, जिससे उसके हाथ, पैर और चेहरे पर चोटें आईं। आरोपियों ने पीड़ित की पत्नी के साथ भी बदसलूकी की और उन्हें धमकी दी।

आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी: अजित पवार

पुलिस ने शुक्ला (48 वर्षीय) और उनकी पत्नी गीता (45 वर्षीय) के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने विधानसभा में कहा कि मराठी लोगों के खिलाफ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और शुक्ला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि शुक्ला और उसकी पत्नी के खिलाफ कल्याण के खड़कपाड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। शुक्ला को सरकारी नौकरी से निलंबित किया जाएगा। मराठी लोगों के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

मराठी लोगों का अपमान बर्दाश्त नहीं: एकनाथ शिंदे

वहीं, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी कहा कि मराठी लोगों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, मराठी अस्मिता की रक्षा की जाएगी और मराठी लोगों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शिंदे ने यह भी कहा कि शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे ने मराठी लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी की स्थापना की थी। शिंदे ने मुंबई कांग्रेस कार्यालय में भाजयुमो के कार्यकर्ताओं द्वारा तोड़फोड़ के मामले को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, पुलिस उन सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी, जो कानून हाथ में ले रहे हैं। लोकतंत्र में किसी को भी तोड़फोड़ करने का अधिकार नहीं है।

बोटिंग सुविधा वाले तालाबों पर सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने का निर्देश

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया बोट दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए मनपा आयुक्त सौरभ राव ने आदेश जारी किया है कि शहर के तालाबों पर बोटिंग की सुविधा का आनंद लेने के लिए आने वाले नागरिकों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं। ठाणे मनपा क्षेत्र में कुल 35 तालाब हैं, जिनमें से तीन प्रमुख तालाब—मासुंदा तालाब, उपवन तालाब और आंबेघोसाले तालाब—पर बोटिंग की सुविधा उपलब्ध है।

सुरक्षा को प्राथमिकता

मनपा आयुक्त ने बोटिंग के दौरान नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए ठेकेदारों को निर्देश दिया कि बोटिंग के लिए आने वाले प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा जाकेट का उपयोग करना अनिवार्य होगा। यदि कोई नागरिक इसे स्वीकार नहीं करता है, तो उसे बोटिंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, बोटों में बुआयास रिंग और रोप सेफ्टी जैकेट रखने के भी निर्देश दिए गए हैं।

तालाबों पर बोटिंग सुविधाएं

मासुंदा तालाब में 35 पैडल बोट और 2 मशीन बोट, उपवन तालाब में 16 पैडल बोट और 1 मशीन बोट, और आंबेघोसाले तालाब में 4 पैडल बोट और 1 मशीन बोट उपलब्ध हैं। इन तालाबों पर बोटिंग की व्यवस्था नागरिकों के मनोरंजन के लिए की गई है, और इसे संचालित करने के लिए संबंधित ठेकेदारों की नियुक्ति की गई है।

पर्यावरण विभाग का निरीक्षण

मनपा के पर्यावरण विभाग के अधिकारियों, डॉ. पद्मश्री बैनाडे और मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने तीनों तालाबों का दौरा किया। उन्होंने बोटिंग की सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संबंधित ठेकेदारों को लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश दिए।

नागरिकों से अपील

मनपा आयुक्त सौरभ राव ने नागरिकों से अपील की है कि वे मनपा द्वारा निर्धारित सुरक्षा नियमों का पालन करें और बोटिंग के दौरान अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने बोटिंग से जुड़ी सभी सावधानियों के पालन से नागरिकों के मनोरंजन को सुरक्षित और आनंदपूर्ण बनाने की उम्मीद जताई।

नवी मुंबई में आग से तीन गोदाम जले

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई में शुक्रवार सुबह एक बाजार क्षेत्र में स्थित तीन गोदाम जलकर खाक हो गए। नागरिक आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नवी मुंबई के कलंबोली इलाके में सिद्धिविनायक मार्केट में सुबह सवा 10 बजे हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग एक गोदाम में लगी और तेजी से अन्य गोदामों में फैल गई। लकड़ी रखने वाले दो गोदाम और कपड़े का एक गोदाम जलकर खाक हो गया। उन्होंने बताया कि कलंबोली, कोपरखैरणी और ठाणे से अग्निशमन दल घटनास्थल पर भेजे गए। चार घंटे से अधिक समय तक चले अभियान में आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

शादी में जा रही बस रायगढ़ में पहाड़ी दर्रे के पास पलटी

डीबीडी संवाददाता | रायगढ़

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में शुक्रवार सुबह बड़ा दर्दनाक हादसा हो गया। एक विवाह समारोह से लोगों को ले जा रही तेज रफ्तार बस पलटने से पांच लोगों की मौत हो गई और 27 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब सवा नौ बजे मनगांव के निकट ताम्हिनी घाट पर हुई। उन्होंने कहा कि बस पुणे के लोहेगांव से महाड के बीरवाड़ी की ओर जा रही थी।

बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज

रायगढ़ के पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घरगे ने कहा कि 27 अन्य घायलों को मानगांव ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने कहा कि वे बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। जिस पर यात्री बस चलाते समय लापरवाही बरतने का आरोप है। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई।

5 लोगों की मौत, 27 घायल

हादसे में 27 लोग जख्मी

पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि एक मोड़ पर चालक का वाहन पर से नियंत्रण खो गया, जिसके बाद वाहन पलट गया। उन्होंने कहा कि दो पुरुषों और तीन महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई। घायल हुए 27 लोगों को मनगांव ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर कुछ लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

मरने वालों की पहचान

अधिकारी ने कहा कि चार मृतकों की पहचान संगीता जाधव, गौरव दराडे, शिल्पा पवार और वंदना जाधव के रूप में हुई है जबकि एक व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

शहर की परिवहन व्यवस्था और ट्रैफिक समस्या में होगा सुधार

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर शहर की परिवहन व्यवस्था और ट्रैफिक समस्या में सुधार के लिए मनपा प्रशासक और आयुक्त विकास ढाकने ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में शहर के यातायात संबंधी मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई और सुधार के लिए विभिन्न उपायों पर निर्णय लिया गया।

विधायक, पुलिस और मनपा अधिकारियों की उपस्थिति

बैठक में उल्हासनगर के विधायक कुमार ऐलानी, ठाणे के पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट, परिक्षेत्र 4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे, मनपा के अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस, यातायात शाखा के सहायक पुलिस आयुक्त विजय पोवार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय:

अनधिकृत रिक्शा स्टॉप पर कार्रवाई

शहर के मुख्य मार्गों और चौराहों पर अनधिकृत रिक्शा स्टॉप पर कार्रवाई करने की योजना बनाई गई। इसके लिए यातायात पुलिस, पुलिस और मनपा अधिकारियों की एक समिति बनाई जाएगी, जो हर सप्ताह बैठक करेगी और कार्रवाई की दिशा तय करेगी। इस अभियान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए शहर में होर्डिंग और टेप लगाए जाएंगे।

यातायात नियमों का पालन

पीली और सफेद पट्टियां, नो पार्किंग बोर्ड, और पी 1, पी 2 तख्तियां मुख्य सड़कों पर लगाई जाएंगी। इसके साथ ही भारी वाहनों की आवाजाही के लिए समय निर्धारित किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 1 जनवरी 2025 से दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा उपाय

शहर में चल रहे विकास कार्यों जैसे सड़क निर्माण और भूमिगत सीवरेज योजना के कार्यों में सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेडिंग और सुरक्षा बेल्ट लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही, सुरक्षा के लिहाज से ठेकेदारों को जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

अवैध पार्किंग पर कार्रवाई

परिवहन सेवा स्टॉप (बस स्टॉप) पर रिक्शा खड़े करने और बड़े होटलों या मैरिज हॉल के बाहर अवैध पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पीक आवर्स में ट्रैफिक वार्डन की तैनाती

मुख्य सड़कों और चौराहों पर पीक आवर्स के दौरान ट्रैफिक वार्डन तैनात किए जाएंगे ताकि यातायात सुचारू रूप से चलता रहे।

आदर्श सड़कों का निर्माण

मनपा ने शहर में पांच आदर्श सड़कें बनाने का निर्णय लिया है, जिनमें कल्याण अंबरनाथ रोड (3 कि.मी.), डॉल्फिन रोड (1 कि.मी.), वी.टी.सी. रोड (2 कि.मी.), मुरबाड रोड (1.68 कि.मी.), 17 सेक्शन रोड से श्री राम चौक तक (0.78 कि.मी.) शामिल हैं। इन सड़कों पर अतिक्रमण हटाना, डिवाइडर निर्माण, सड़क की लेन का चिह्नांकन, जेब्रा क्रॉसिंग, यातायात संकेत और लाइटिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

कांग्रेस ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई

ठाणे जिले के 8 सदस्यों को किया निलंबित

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

कांग्रेस ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ एक बड़ा कदम उठाया है। कांग्रेस ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पार्टी से ठाणे जिले के 8 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया है। कांग्रेस ने हाल ही में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एक निर्दलीय उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए ठाणे से अपने आठ कार्यकर्ताओं को निलंबित कर दिया है। पार्टी के एक पदाधिकारी ने शुक्रवार को 8 सदस्यों के निलंबन की यह जानकारी दी। कांग्रेस की ठाणे शहर जिला इकाई के अध्यक्ष विक्रांत चव्हाण ने एक बयान में कहा कि पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण सदस्यों को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने कांग्रेस की महाराष्ट्र प्रदेश ओबीसी इकाई के उपाध्यक्ष सुरेश पाटिल-खेड़े को भी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के कारण छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत खराब रहा और वह राज्य की 288 सीटों में से मात्र 16 सीटें ही जीत सकी।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बिल्डर की गिरफ्तारी को घोषित किया अवैध

▶▶ पुलिस को रिहाई का आदेश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई के बिल्डर ललित टेकचंदानी की गिरफ्तारी को अवैध करार दिया और पुलिस को उन्हें रिहा करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि तीन अलग-अलग मामलों में उनकी गिरफ्तारी अवैध थी और यह उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन था, क्योंकि गिरफ्तारी के लिए कोई उचित आधार नहीं प्रस्तुत किया गया था।

क्या है पूरा मामला?

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने इस साल 30 जनवरी को धोखाधड़ी के आरोप में बिल्डर ललित टेकचंदानी को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि मेसर्स सुप्रीम कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड ने तलोजा में एक नया आवासीय प्रोजेक्ट शुरू किया था। शिकायतकर्ता ने इस प्रोजेक्ट में फ्लैट बुक किया था और बिल्डर को 1 लाख रुपये का भुगतान किया, लेकिन बिल्डर ने शर्तों के मुताबिक फ्लैट का कब्जा नहीं दिया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने चेंबूर पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई, और इस प्रकार दो अन्य पुलिस स्टेशनों में भी धोखाधड़ी के मामले दर्ज हुए। मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंपी गई है।

अदालत का फैसला

बॉम्बे हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील की दलीलें स्वीकार करते हुए कहा कि गिरफ्तारी के आधार के बिना गिरफ्तारी करना और रिमांड आदेश जारी करना कानून के खिलाफ है। इसलिए, कोर्ट ने ललित टेकचंदानी की गिरफ्तारी और रिमांड आदेश को रद्द कर दिया और उन्हें रिहा करने का आदेश दिया।

गिरफ्तारी का आधार नहीं था स्पष्ट

सुप्रीम बिल्डर्स के ललित टेकचंदानी की ओर से वकील तारक सईद ने अदालत में यह याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि चेंबूर पुलिस, तलोजा पुलिस स्टेशन और सीबीडी बेलापुर पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ धोखाधड़ी के मामले दर्ज किए गए थे, लेकिन पुलिस ने गिरफ्तारी से पहले उन्हें किसी भी प्रकार का आधार नहीं दिया था। इस पर अदालत ने कहा कि गिरफ्तारी का आधार संबंधित अधिकारी द्वारा अभियुक्त को पहले सूचित किया जाना चाहिए, ताकि अभियुक्त को यह जानकारी हो सके कि उसकी गिरफ्तारी क्यों की जा रही है। बिना इस सूचना के गिरफ्तारी को कानून की दृष्टि में अवैध माना गया।

मजरूह सुल्तानपुरी को मोहम्मद रफी जीवन गौरव पुरस्कार

▶▶ जावेद अली भी होंगे सम्मानित

▶▶ राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन करेंगे सम्मानित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉलीवुड के प्रसिद्ध गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी को साल 2024 का मरणोपरांत मोहम्मद रफी जीवन गौरव पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। वहीं, ख्यातनाम गायक जावेद अली को इस वर्ष का मोहम्मद रफी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के हाथों 24 दिसंबर को बांद्रा पश्चिम स्थित रंगशारदा सभागार में शाम 6.30 बजे वितरित किया जाएगा। इस बारे में घोषणा शुक्रवार को मुंबई भाजपा अध्यक्ष और राज्य के कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार ने की।

मजरूह सुल्तानपुरी को मरणोपरांत जीवन गौरव पुरस्कार

आशीष शेलार ने बताया कि स्पंदन संस्था की ओर से मोहम्मद रफी की जयंती के अवसर पर संगीत क्षेत्र के वरिष्ठ कलाकारों को जीवन गौरव और मोहम्मद रफी पुरस्कार दिया जाता है। यह वर्ष मोहम्मद रफी का जन्म शताब्दी वर्ष है। शेलार ने कहा कि 1950 और 1960 के दशकों में लोकप्रिय गीतकार रहे मजरूह सुल्तानपुरी को मरणोपरांत मोहम्मद रफी जीवन गौरव पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। मजरूह सुल्तानपुरी के बेटे अंदलीब सुल्तानपुरी यह पुरस्कार स्वीकार करेंगे।

जावेद अली को मिलेगा मोहम्मद रफी पुरस्कार

जावेद अली को मोहम्मद रफी पुरस्कार दिया जाएगा, जो हिंदी, मराठी, बंगाली, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, उर्दू समेत विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में अपनी आवाज का जादू बिखेर चुके हैं। शेलार ने कहा कि मोहम्मद रफी जीवन गौरव पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपये का चेक, स्मृतिचिन्ह और शाल-श्रीफल प्रदान किया जाएगा, जबकि मोहम्मद रफी पुरस्कार के रूप में 51 हजार रुपये और मानचिन्ह दिया जाएगा। इससे पहले संगीतकार आनंदजी, गायक अमित कुमार, गायिका आशा भोसले, सुरेश वाडकर, सोनू निगम, संगीतकार रवि, शैलेंद्र सिंग, नौशाद अली जैसे कई नामचीन कलाकारों को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुका है।

मंदिर-मस्जिद विवाद पर मोहन भागवत के बयान का ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड ने किया स्वागत

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड ने देश में बढ़ते मंदिर-मस्जिद विवाद पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान का समर्थन किया है। शुक्रवार को बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव अल्लामा बूनई हसनी ने मुंबई में बयान जारी करते हुए कहा कि मोहन भागवत के बयान से हिंदुत्व के नाम पर राजनीति करने वालों को करारा जवाब मिला है। अल्लामा हसनी ने कहा कि ऐतिहासिक मस्जिदों और दरगाहों पर मंदिर होने का दावा कर देश में अमन, शांति, और आपसी भाईचारे को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही थी। लेकिन भागवत ने अपने बयान के जरिए हिंदू नेताओं को स्पष्ट संदेश दिया है, जिससे उम्मीद है कि देशभर में मंदिर-मस्जिद विवाद का अंत होगा।

भागवत ने मंदिर-मस्जिद विवादों पर जाहिर की थी चिंता

गौरतलब है कि गुरुवार को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में उभर रहे मंदिर-मस्जिद विवादों पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोग इस तरह के मुद्दे उठाकर हिंदुओं के नेता बनने का प्रयास कर रहे हैं। भागवत ने इसे अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि ऐसे विवाद देश के सामाजिक सद्भाव को बाधित करते हैं। ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड ने भागवत के इस रुख का स्वागत करते हुए इसे सामाजिक शांति और सद्भाव की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है।

सरकारी बस चालकों के ड्रंक एंड ड्राइव अभियान पर प्रादेशिक परिवहन विभाग सख्त

▶▶ ठाणे शहर में विशेष जांच अभियान जारी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंबई के कुर्ला में कुछ दिनों पहले बेस्ट बस से हुई बड़ी दुर्घटना के बाद प्रादेशिक परिवहन विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। विभाग ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए सरकारी बस चालकों के ड्रंक एंड ड्राइव (शराब पीकर गाड़ी चलाना) की जांच शुरू कर दी है।

रात में बस चालकों की जांच का नतीजा

जांच के दौरान किसी भी बस चालक को शराब के नशे में वाहन चलाते नहीं पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। विभाग पिछले छह महीनों से दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों की जांच कर रहा है और अब बस चालकों पर विशेष ध्यान दे रहा है।

दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने का प्रयास

उल्लेखनीय है कि यातायात नियमों का उल्लंघन सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण है। कुर्ला की घटना में कुछ लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। इस दुर्घटना को देखते हुए राज्य सरकार और प्रादेशिक परिवहन विभाग ने मिलकर भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्णय लिया है।

यात्रियों ने की सराहना

चलती बसों को रोककर किए गए इस अभियान को यात्रियों ने सराहा। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन विभाग के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए सुझाव दिया कि ऐसे निरीक्षण अभियान नियमित रूप से चलने चाहिए ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

ठाणे में विशेष अभियान

ठाणे प्रादेशिक परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के मार्गदर्शन में एयर स्पीड टीम ने ठाणे शहर में तीनहात नाका, नितिन जंक्शन, और घोड़बंदर रोड जैसे मुख्य स्थानों पर बस चालकों की ड्रंक एंड ड्राइव जांच की। उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि बीते तीन दिनों में 100 सरकारी बस चालकों की जांच की गई, जिसमें बेस्ट, टीएमटी, एसटी, और एनएमटी की बसें शामिल थीं।

सीएम ने मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना से किसानों को दी राहत

मुफ्त बिजली योजना का मुआवजा और निर्बाध आपूर्ति

दीपक पवार | मुंबई

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने विधानसभा में गुरुवार को घोषणा की कि राज्य सरकार आगामी पांच वर्षों तक किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने की योजना जारी रखेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना 2.0 के तहत किसानों को न केवल दिन में निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलेगी, बल्कि मुफ्त बिजली योजना का मुआवजा भी दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना 2.0 की शुरुआत

मुख्यमंत्री ने इस योजना के तहत देश में पहली बार एमएसईबी सोलर एग्रो पावर लिमिटेड की स्थापना की जानकारी दी, जो किसानों को बिजली उपलब्ध कराने वाली पहली कंपनी बन गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत 16,000 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं का काम शुरू किया गया है, जिनमें से 8428 कृषि चैनल (फीडर) सौर ऊर्जा से चलाए जाएंगे। अब तक 669 मेगावाट क्षमता चालू हो चुकी है, जिससे 1,30,486 कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली की आपूर्ति मिल रही है।

किसानों के लिए मुफ्त बिजली और सब्सिडी

मुख्यमंत्री ने बताया कि अगले पांच वर्षों में किसानों से बिजली बिल नहीं वसूला जाएगा। फिलहाल, मुफ्त बिजली योजना पर सरकार का 15,000 करोड़ रुपये का बोझ है, जिसे मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना से बचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत किसानों को 1.5 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली दी जा रही है, जबकि वर्तमान में यह दर 8 रुपये प्रति यूनिट है। इसके परिणामस्वरूप 10,000 करोड़ रुपये की बचत होगी।

राज्य की ऊर्जा नीति और भविष्य की योजनाएं

मुख्यमंत्री ने राज्य की ऊर्जा नीति के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता 44,000 मेगावाट है, और 54,000 मेगावाट के बिजली खरीद समझौते किए गए हैं। वर्तमान में राज्य की बिजली आपूर्ति का 16 प्रतिशत हिस्सा गैर-पारंपरिक स्रोतों से और 84 प्रतिशत पारंपरिक स्रोतों से है। 2030 तक राज्य में 52 प्रतिशत बिजली आपूर्ति गैर-पारंपरिक यानी हरित ऊर्जा से होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री फड़णवीस ने राज्य की ऊर्जा योजना की सफलता पर जोर देते हुए किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर सुधार और विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

धारावी पुनर्विकास योजना मामला

अदाणी समूह के खिलाफ जारी याचिका खारिज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में धारावी झुग्गी बस्ती पुनर्विकास परियोजना को लेकर चर्चाएं तेज है। हाल ही में अदाणी को दिए जाने वाले धारावी झुग्गी बस्ती पुनर्विकास परियोजना के खिलाफ याचिका दायर किया था। बंबई उच्च न्यायालय ने मुंबई में धारावी झुग्गी बस्ती पुनर्विकास परियोजना को अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को दिए जाने के खिलाफ दायर याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित सेकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन ने यह याचिका दायर की थी जिसमें अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को परियोजना देने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती दी गई थी।

सबसे अधिक लगाई बोली

मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की खंडपीठ ने कहा कि याचिका का कोई आधार नहीं है इसलिए इसे खारिज किया जाता है। इस परियोजना को हासिल करने के लिए अदाणी समूह ने काफी पापड़ बेले है। अदाणी समूह ने 259 हेक्टेयर धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए सबसे अधिक बोली लगाई थी।

अदालत ने बताया ये कारण

2022 की निविदा प्रक्रिया में 5,069 करोड़ रुपये की पेशकश के साथ उसने धारावी झुग्गी बस्ती पुनर्विकास परियोजना हासिल किया था। सेकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन ने 2018 की निविदा को रद्द करने और उसके बाद 2022 में अदाणी को निविदा देने को चुनौती दी थी। लेकिन अदालत ने इस याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा, '' याचिका में उठाए गए आधारों में दम नहीं है। सरकार के निविदा को रद्द करने और नई निविदा पेश करने के कदम को चुनौती देने में वह विफल रही।

फॉलो अप : मुंबई बोट एक्सीडेंट

7 साल का बच्चा लापता, तलाशी अभियान जारी

मरने वालों की बढ़ी संख्या

मुंबई। मुंबई में बुधवार को गेटवे ऑफ इंडिया के सामने पर्यटक नौका के भयानक हादसे में अभी भी लापता लोगों की तलाश की जा रही है। ये घटना मुंबई के तट पर नौसैनिक पोत द्वारा पर्यटक नौका को टक्कर से हुई थी। इस भीषण टक्कर के बाद लापता हुए सात साल के लड़के की तलाश के लिए अभियान शुक्रवार को भी जारी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मंगलवार शाम 43 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने के बाद, 18 दिसंबर को हुई इस घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई। नौसेना ने हार्बर इलाके में हुई घटना की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने कहा कि खोज और

बचाव अभियान के तहत लापता यात्रियों की तलाश के लिए नौसेना के एक हेलीकॉप्टर व नौकाओं के अलावा तटरक्षकों को भी तैनात किया गया है।

अमरावती में बनेगा एयर इंडिया का मेगा फ्लाइंग ट्रेनिंग हब

- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दी इसकी जानकारी
- सीएम फडणवीस बोले-गेमचेंजर होगा यह प्रोजेक्ट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में अमरवती जिले में दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा फ्लाइंग ट्रेनिंग हब स्थापित होगा। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि एयर इंडिया का गेमचेंजर। मुख्यमंत्री ने लिखा है कि अमरावती में दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा फ्लाइंग ट्रेनिंग हब स्थापित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति को अमरावती में भारी जीत मिली है। बीजेपी ने कांग्रेस के इस गढ़ को भी ध्वस्त किया है। विधानसभा चुनावों में प्रचंड जीत के बाद पूर्व सांसद नवनीत राणा (Navnit Ravi Rana) खूब नाची थीं। उन्होंने पुष्पा स्टाइल में एमवीए पर तंज भी कसा था।

अमरावती का होगा विकास?

सीएम फडणवीस ने लिखा है कि एयर इंडिया ने विमानन के भविष्य को फिर से परिभाषित करने की दिशा में एक साहसिक कदम उठाया है। 2025 के मध्य तक अमरावती में 34 ट्रेनर विमानों का ऑर्डर देने और दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा फ्लाइंग ट्रेनिंग संगठन स्थापित करने का निर्णय वास्तव में एक बड़ा बदलाव है। यह दूरदर्शी पहल न केवल वैश्विक विमानन उद्योग में भारत की स्थिति को मजबूत करेगी, बल्कि आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन और महत्वाकांक्षी पायलटों के लिए नए अवसर भी प्रदान करेगी। अत्याधुनिक सुविधाओं, डिजिटल रूप से सक्षम परिसर और एक व्यापक प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के साथ, एयर इंडिया विमानन उत्कृष्टता में एक नए युग की नींव रख रही है।

क्या दूर होगी नवनीत राणा की नाराजगी?

एयर इंडिया ने महाराष्ट्र के अमरावती में दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा फ्लाइंग ट्रेनिंग हब स्थापित करने का ऐलान ऐसे वक्त पर किया है जब नवनीत राणा के नाराज होने की बातें सामने आई थी। अमरावती की बड़नेरा सीट से उनके पति रवि राणा बड़े मार्जिन से जीते हैं। राणा को उम्मीद थी कि उन्हें कोई पद मिल सकता है। जब देवेंद्र फडणवीस मंत्रिमंडल में कोई जिम्मेदारी नहीं मिली थी तो नवनीत राणा की मायूसी उनके स्टेटस में झलकी थी। रवि राणा की राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी एमवीए का हिस्सा है। अमरावती जिला महाराष्ट्र के पिछड़े जिलों में शामिल है। 2024 के लोकसभा चुनावों में नवनीत राणा बीजेपी से लड़ी थीं लेकिन वह कमल नहीं खिला पाई थीं।

श्रमिकों को 2,856 करोड़ का भुगतान

रोजगार गारंटी योजना

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राज्य में रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में श्रमिकों के बैंक खातों में 2,856.30 करोड़ की राशि जमा की गई है। यह जानकारी रोजगार गारंटी योजना विभाग द्वारा साझा की गई है।

इस योजना के तहत 100 दिनों तक की मजदूरी का भुगतान केंद्र सरकार से प्राप्त धनराशि से किया जाता है। 100 दिन से अधिक का वेतन राज्य सरकार के कोष से दिया जाता है। तदनुसार, वर्ष 2024-25 में 100 दिनों तक की मजदूरी के 2 हजार 616.30 करोड़ रुपये और 100 दिनों से अधिक की मजदूरी के 240 करोड़ रुपये सीधे श्रमिकों के बैंक खाते में जमा किए गए हैं। 'रोह्यो' विभाग ने यह भी जानकारी दी है कि वर्ष 2024-25 में कुल 72.09 करोड़ की राशि 66.21 करोड़ और 5.88 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा।

मुंबई की सड़कों पर न्याय की गुहार लगा रहे सेना के जवान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

देश की रक्षा में अपनी जान की बाजी लगाने वाले भारतीय सेना के तीन जवान आज मुंबई की सड़कों पर न्याय की मांग करते हुए भीख मांगने पर मजबूर हैं। सैनिक वर्दी पहने, एक हाथ में तिरंगा और दूसरे हाथ में भीख का कटोरा लिए ये जवान छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और अन्य प्रमुख स्थानों पर अपनी आपबीती सुना रहे हैं।

ये हैं जवान

धुले जिले के चंदू चव्हाण, जो 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक में शामिल थे और चार महीने पाकिस्तान की जेल में अमानवीय यातनाओं का सामना कर चुके हैं। वाशिम जिले के अमोल भालेरे और सीआरपीएफ के शिवप्रसाद पाटिल भी शामिल हैं। सेना और सीआरपीएफ से मामूली कारणों से बर्खास्त किए जाने के कारण ये सभी आज न्याय पाने के लिए संघर्षरत हैं।

क्या है समस्या?

सेना द्वारा लगाए गए आरोपों के चलते इन्हें सरकारी या निजी क्षेत्र में नौकरी नहीं मिल रही है, जिससे इनके परिवार गंभीर आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। जवानों ने अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा, ?हमारे बच्चे सड़क पर आ गए हैं, उनका भविष्य खतरे में है।

जवानों की अपील

जवानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तस्वीरों वाले पोस्टर गले में टांग रखे हैं, जिन पर लिखा है, ?ये कहां मिलेंगे? इन्हें कोई खोजे!? इस गंभीर स्थिति पर प्रशासन के तत्काल हस्तक्षेप की मांग जनता की ओर से उठ रही है।

ललित मोदी को लेने के देने पड़ गए

- करोड़ों की राहत के बजाए HC ने लगाया 1 लाख का जुर्माना

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आईपीएल के पूर्व चेयरमैन और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) उपाध्यक्ष ललित कुमार मोदी को कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने ललित मोदी की याचिका को खारिज करते हुए उन पर 1 लाख का जुर्माना लगाया है। यह राशि टाटा मेमोरियल अस्पताल को दान के रूप में चुकानी होगी।

ललित मोदी ने अपनी याचिका में हाईकोर्ट से आग्रह किया था कि बीसीसीआई को निर्देश दिया जाए कि वह उनके ऊपर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) के तहत मई 2018 में लगाए गए 10.65 करोड़ के जुर्माने का भुगतान करे।

हाईकोर्ट ने आदेश में क्या कहा?

हाईकोर्ट ने इस मांग को 'गलत धारणा पर आधारित' बताते हुए याचिका को खारिज कर दिया। ANI के मुताबिक हाईकोर्ट के आदेश में कहा, 'यह याचिका निरर्थक है और इसे खारिज किया जाता है। इसके साथ 1,00,000 का जुर्माना टाटा मेमोरियल अस्पताल (खाता संख्या: 1002449683, आईएफएससी कोड: CBIN0284241, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया) को 4 हफ्तों के भीतर चुकाया जाए। भुगतान का प्रमाण इस कोर्ट में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।' कोर्ट ने साफ किया कि ललित मोदी द्वारा बीसीसीआई से नुकसान भरपाई की मांग कानूनी रूप से उचित नहीं थी और यह मामला खारिज करने योग्य था।

IN THE COURT OF SMALL CAUSES AT BOMBAY (BANDRA BRANCH)
2a Appeal No. 18 of 2024
in
R.A.E. & R. Suit No. 162/316 of 2009

Me Punsur Govind Charan, Adult, aged about 77 Years, Occupation: Landlord, Indian Inhabitant of Mumbai, Residing at Govind Estate, Kathiyawad Chowk, Rani Sati Marg, Malad (East), Mumbai — 400 097.)

.....Appellant (Original Plaintiff)

Versus

1. MR Suryakant Navairam Dhyani (Since Deceased) Through his Legal Heirs,)
Deleted

1(a) Mr. Devdutt Suryakant Dhyani, (Since Deceased))
Deleted

1(a)(i) Mrs. Lisa Devdutt Dhyani/Dave, Age : Not known, (Adult), Occ: Not known,] Residing at 8, Sai Mahima, Ground Floor, A- Wing, Navghar Road, Bhyander (East), Thane — 401 1071)

1(b) MR Arvind Suryakant Dhyani Age 65 Years, Occupation: Business 1 Indian Inhabitant of Mumbai, Residing at 1' Floor, Govind Estate, Kathiyawad Chowk, Rani Sati Marg, Malad (East), Mumbai — 400 097.)

1© MR Jitendra Suryakant Dhyani, Age 54 Years, Occupation : Service, Indian Inhabitant of Mumbai, Residing at 308, 3' Floor, A-Wing, Sai Palkhi, Navghar Road, Bhyander (East), District Thane — 401107.)

1(d) Mrs. Vimla U. Dave, Married Daughter of Suryakant Navalram Dhyani, Age 60 Years, Housewife, Residing at 401, Krishna Villa, 4th Floor, Tata Compound, Andheri (West), Mumbai — 400 058.)

Respondents (Orig. defendants)

To,

The Respondent No. 1(a) (i), 1(b) & 1(c) abovenamed,

Whereas the Appellant (Orig. Plaintiff) has filed 2a Appeal No. 18 of 2024 against Respondents(Orig. Defendants) praying therein that this Hon'ble Court may be pleased to interfere in the impugned Order dated 10.10.2023 passed by the Learned Trial Court and set aside the same and in its place grant Decree of Possession against the Respondents and for such other and further reliefs.

AND WHEREAS, the said Appeal is admitted on 03" May, 2024 and Notice is ordered to be issued to the Respondents. In pursuance of the said order, this Notice is hereby given to you that you are hereby required to appear before the Hon'ble Appellate Benches presiding in **Court Room No. 31, 8' Floo4 Court of Small Causes, Bhaskar Building, Anant Kanekar Marg,, Bandra (East), Mumbai - 400 051**, in person or by Pleader duly instructed **on 23' Decembe4 2024 at 11.00 A.M.,** when the case will be placed before the Court for order or thereafter and to show cause why an order should not be issued as prayed for by the Appellant abovenamed. If you fail to appear and show cause as aforesaid, this Court will issue an order as prayed for by the Appellant or such Order as the Court may deem fit and proper in matter.

You may obtain the copy of the said Appeal Memo from the Court Room No. 31 of this Court.

Given the Seal of this Hon'ble Court,
this 21th day of November, 2024
(R. K. Kulkarni)
Additional Registrar

Date 17/12/2024
Place: Mumbai.

बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर हमसफर सुपरफास्ट ट्रेन को धनेरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

ट्रेन संख्या 19009/19010 बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर हमसफर सुपरफास्ट एक्सप्रेस को प्रायोगिक आधार पर धनेरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, ट्रेन संख्या 19009 बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर हमसफर एक्सप्रेस 03 जनवरी, 2025 से नए नंबर 21901 के साथ चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 19010 बाड़मेर-बांद्रा टर्मिनस हमसफर एक्सप्रेस 04 जनवरी, 2025 से नए नंबर 21902 के साथ चलेगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी ने दी जानकारी

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 19009 (नई ट्रेन संख्या 21901) बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर हमसफर एक्सप्रेस को 20 दिसंबर, 2024 को बांद्रा टर्मिनस से शुरू होने वाली यात्रा से धनेरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन धनेरा स्टेशन पर 07:30 बजे पहुंचेगी और 07:32 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 19010 (नई ट्रेन संख्या 21902) बाड़मेर-बांद्रा टर्मिनस हमसफर एक्सप्रेस को 21 दिसंबर, 2024 को बाड़मेर से शुरू होने वाली यात्रा से धनेरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन धनेरा स्टेशन पर 02:50 बजे पहुंचेगी और 02:52 बजे प्रस्थान करेगी।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पी/दक्षिण

रुचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई.)

सहायक आयुक्त पी/दक्षिण वार्ड द्वारा रास्ते स्वच्छता योजना कार्य के लिए दिनांक 02 जनवरी, 2025 से 31 मई, 2025 तक 05 महीने की अवधि के लिए लाख मुहरबंद रुचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई.) आमंत्रित की जाती है। पात्र संस्थाओं की सूची तैयार करने और लॉटरी प्रणाली द्वारा चयन करने के लिए पी/साउथ वार्ड की प्रशासनिक सीमाओं के भीतर पंजीकृत इच्छुक एनजीओ संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

इच्छुक एनजीओ संस्थाएं एमसीजीएम पोर्टल साइट http://portal.mcgm.gov.in पर 'रास्ते स्वच्छता योजना रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) के बारे में विवरण प्राप्त कर सकती हैं या ए.ई. (एसडब्ल्यूएम) पी/साउथ वार्ड के कार्यालय में संपर्क कर सकती हैं।

नियम और शर्तों के विवरण के साथ रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) की प्रति ए.ई. (एसडब्ल्यूएम) पी/साउथ के कार्यालय में दिनांक 21 दिसंबर, 2024 से दिनांक 24 दिसंबर, 2024 के दौरान सुबह 11:00 बजे से शाम 04.00 बजे तक निःशुल्क उपलब्ध होगी। और ईओआई आवेदन जमा करते समय, जांच शुल्क रसीद की एक प्रति 3300/- + 18% जीएसटी संलग्न किया जाना है। इस मामले में सहायक आयुक्त पी/दक्षिण का निर्णय अंतिम और सभी पर बाध्यकारी होगा।

निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि 26 दिसंबर, 2024 दोपहर 02:00 बजे तक है।

हस्ता./-
सहा.आयुक्त(पी/दक्षिण)

पीआरओ/2035/विज्ञा./2024-25

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

पिघली अवरोध की बर्फ

यह हकीकत है कि चीन भौगोलिक रूप से हमारा पड़ोसी है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। ऐसे में जरूरी है कि तमाम विसंगतियों के बावजूद अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के साथ पड़ोसी से रिश्ते बेहतर बनाए जाएं। लंबी खटास व तनातनी के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई हालिया बैठक के सार्थक परिणाम सामने आए हैं। बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्तूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जतायी। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं। निर्विवाद रूप से सीमा विवाद एक संवेदनशील व जटिल मुद्दा बना है। जिसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आपसी विश्वास में व्याप्त कमी को दूर किया जाए। निश्चित रूप से व्यावहारिक कूटनीति के साथ विश्वास निर्माण के उपायों को कदम दर कदम बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि इन प्रतिबद्धताओं को अमलीजामा पहनाने के लिये सतर्कता के साथ और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होगी। बहरहाल, खट्टे-मीठे रिश्तों और लंबी कटुताओं के बावजूद इस बैठक के निहितार्थों को व्यापक संदर्भों में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निर्विवाद रूप से चीन आज दूसरी बड़ी वैश्विक शक्ति है। भारत ने भी आर्थिक व अन्य क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है। इसके बावजूद दोनों ही देश वैश्विक शक्ति की बदलती गतिशीलता से जूझ रहे हैं। खासकर अमेरिका में होने जा रहे राजनीतिक परिवर्तन से उबरने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर। ऐसे में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को दोनों देशों की एकजुटता प्रभावित करने की क्षमता रखती है। खासकर व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय प्लेटफॉर्मों में सहयोगात्मक पहल से क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। निस्संदेह, दोनों देशों की सीमा पर शांति की पहल एक शुरुआत मात्र है। इसके उपरांत दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क, व्यापार बाधाओं व असंतुलन को दूर करना वक्त की जरूरत है। हमें सांस्कृतिक सहयोग के जरिये दोनों देशों के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का लाभ उठाना चाहिए। विश्वास कायम करने और संघर्ष की छाया दूर करने के लिये ऐसे सकारात्मक कदम जरूरी हैं। निस्संदेह, रिश्तों को सामान्य बनाने का रास्ता लंबा है, लेकिन सार्थक संवाद से अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की आशा लगातार बनी रहती है। भारत और चीन के लिये शांति सिर्फ एक आदर्श मात्र नहीं बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता है। निस्संदेह, भारत और चीन के बीच हुई यह तेईसवीं मुलाकात नई उम्मीद जगाती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री के बीच यह बातचीत कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद लिए गए फैसले के अनुरूप ही हुई है। जिसमें सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द की बहाली और सीमा विवाद का उचित समाधान तलाशने पर सहमति बनी थी। उम्मीद की जानी चाहिये कि संक्रमण के दौर से गुजर रहे वैश्विक परिदृश्य में भारत व चीन एकजुट होकर निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यह स्थिति दोनों देशों के हित में ही कही जाएगी।

शख्सियत — अमीन सयानी

बेहद लोकप्रिय पूर्व रेडियो अनाउंसर

अमीन सयानी भारत के एक लोकप्रिय पूर्व रेडियो अनाउंसर हैं। उन्होंने पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में प्रसिद्धि और लोकप्रियता हासिल की। जब उन्होंने रेडियो सीलोन के प्रसारण पर अपने बिनाका गीतमाला कार्यक्रम को प्रस्तुत किया। पारंपरिक 'भाइयों और बहनों' के विपरीत भीड़ को 'बहनों और भाइयों' (जिसका अर्थ है 'बहनों और भाइयों') के साथ संबोधित करने की उनकी शैली को अभी भी एक मधुर स्पर्श के साथ एक घोषणा के रूप में माना जाता है। उन्होंने 1951 से अब तक 54,000 से अधिक रेडियो कार्यक्रमों और 19,000 स्पॉट/जिंगल्स का निर्माण, संचालन किया है।

अमीन सयानी का जन्म 21 दिसंबर, 1932 को मुंबई में हुआ था। महज 13 साल की उम्र में, उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से आकाशवाणी बॉम्बे के लिए, एक प्रसारक के रूप में काम किया और अंग्रेजी में बच्चों के लिए प्रसारण कार्यक्रमों में भाग लिया। वह ऐसे परिवार से आते हैं जो बहुभाषी हैं। उनकी स्कूली शिक्षा पूरी तरह से अंग्रेजी और गुजराती में मुंबई के न्यू एरा स्कूल में हुई। बाद में 1954 में वे ग्वालियर चले आये और सिंधिया स्कूल में पढ़ाई की। आजादी के बाद वह मुंबई लौट आए और तब उन्होंने कई कार्यक्रमों में अंग्रेजी ब्रॉडकास्टर के रूप में काम किया था। लेकिन उस दौरान वह ऑल इंडिया रेडियो के हिंदी सेक्शन में जाना चाहते थे। ऑडिशन के बाद, उन्हें अस्वीकार कर दिया गया, क्योंकि उनके उच्चारण में अंग्रेजी और गुजराती की झलक थी। लेकिन वह उस प्रकार का व्यक्ति नहीं थे जो इतनी आसानी से हार मान लें। उन्होंने अपनी राह संभाली और ऑल इंडिया रेडियो में सबसे पसंदीदा अनाउंसर बन गए। सयानी वर्षों तक भूत बंगला, टीन डेवियन, बॉक्सर और क्रत्ल जैसी विभिन्न फिल्मों का भी हिस्सा रहीं। इन सभी फिल्मों में वह किसी न किसी कार्यक्रम में उद्घोषक की भूमिका में नजर आये। सयानी ने महात्मा गांधी के निर्देशों के तहत नव-साक्षरों के लिए एक पाक्षिक पत्रिका के संपादन, प्रकाशन और मुद्रण में अपनी मां कुलसुम सयानी की सहायता की। पाक्षिक, रहबर (1940 से 1960), देवनागरी (हिंदी), उर्दू और गुजराती लिपियों में एक साथ प्रकाशित हुआ था, लेकिन सभी गांधी द्वारा प्रचारित सरल 'हिंदुस्तानी' भाषा में। यह सरल संचार का आधार था जिसने उन्हें व्यावसायिक प्रसारण के अपने लंबे करियर में मदद की और 2007 में नई दिल्ली के प्रतिष्ठित हिंदी भवन द्वारा उन्हें 'हिंदी रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। 2009 में, उन्हें पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नदियों के मिलन से बहेगी विकास की धारा

मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच पार्वती, कालीसिंध और चंबल का पानी एक बड़े जलस्रोत के रूप में बहता है। इसी उपरोक्त नदियों को जोड़े जाने की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर में रखी है। इसके प्रतीकस्वरूप तीनों नदियों के पानी को एक घड़े में भरा गया। इसके बाद भारत सरकार और राजस्थान एवं मध्यप्रदेश राज्य सरकारों के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना पर 72000 करोड़ रुपए खर्च होंगे जिसमें 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी। इसमें मध्यप्रदेश के 13 जिलों के 3217 ग्रामों की सूरत बदल जाएगी। दोनों प्रदेशों में मिलाकर 27 नए बांध बनेंगे और 4 पुराने बांधों पर नहरों की जलग्रहण क्षमता बढ़ाई जाएगी। इसी के साथ मौजूदा चंबल-नहर प्रणाली का उद्धार किया जाएगा। ये नदियां निर्धारित अवधि में जुड़ जाती हैं तो सिंचाई के लिए कृषि भूमि का रकबा बढ़ने के साथ अन्न की पैदावार बढ़ेगी।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नदी जोड़ो अभियान की जो परिकल्पना की थी, उसे नरेंद्र मोदी ने साकार करने की शुरुआत केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से कर दी थी। ये परियोजनाएं जल-शक्ति अभियान 'कैच द रन' के तहत अमल में लाई जा रही हैं। बाढ़ और सूखे से परेशान देश में इन नदी परियोजनाओं को जोड़ने का अभियान सफल होता है तो 57 अन्य नदियों के मिलन का रास्ता खुल जाएगा। दरअसल जलवायु परिवर्तन और बदलते वर्षा-चक्र के चलते जरूरी हो गया है कि नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में नहरों के जरिये भेजा जाए। वैसे भी भारत में विश्व की कुल आबादी के करीब 18 प्रतिशत लोग रहते हैं और उपयोगी जल की उपलब्धता महज 4 प्रतिशत है।

हालांकि पर्यावरणविद् इन प्रोजेक्ट्स का विरोध कर रहे हैं कि नदियों को जोड़ने से इनकी अविरलता खत्म होगी व विलुप्त होने का संकट बढ़ जाएगा। नर्मदा और क्षिप्रा नदियों को जोड़ने का काम मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहले ही कर चुके थे। चूंकि ये दोनों नदियां मध्य प्रदेश में बहती थीं, इसलिए इन्हें जोड़ा जाना संभव हो गया था। केन और बेतवा नदियों को जोड़ने की तैयारी में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें बहुत पहले से जुटी थीं। इस परियोजना को वर्ष 2005 में मंजूरी भी मिल गई थी, लेकिन पानी के बंटवारे को लेकर विवाद बना हुआ था। कालांतर राजनीतिक स्थितियां बदलीं तो परियोजनाओं पर सहमति बन गई। केन नदी जबलपुर के पास कैमूर की पहाड़ियों से निकलकर 427 किमी उत्तर की ओर बहने के बाद बांदा जिले में यमुना नदी में जाकर गिरती है। वहीं बेतवा नदी मध्य-प्रदेश के रायसेन जिले से निकलकर 576 किमी बहने के बाद उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में यमुना में मिलती है। केन-बेतवा नदी जोड़ो योजना पर बांधों एवं नहरों का काम शुरू हो गया है।

प्रमोद भार्गव

दुनिया के महासागरों, हिमखंडों, नदियों और बड़े जलाशयों में अकूत जल भंडार है। लेकिन मानव के लिए उपयोगी जीवनदायी जल और बढ़ती आबादी के लिए जल की उपलब्धता का बिगड़ता अनुपात चिंता का बड़ा कारण बना हुआ है। ऐसे में भी बढ़ते तापमान के कारण हिमखंडों के पिघलने और वर्षा न होने के चलते जल स्रोतों के सूखने का सिलसिला जारी है। वर्तमान में जल की खपत कृषि, उद्योग, विद्युत और पेयजल के रूप में सर्वाधिक हो रही है। हालांकि पेयजल की खपत मात्र आठ फीसदी है जिसका मुख्य स्रोत नदियां और भू-जल हैं। औद्योगीकिकरण, शहरीकरण और बढ़ती आबादी के दबाव के चलते एक ओर नदियां सिकुड़ रही हैं, वहीं औद्योगिक कचरा और गंदगी बहाना जारी रहने से गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां बेहद प्रदूषित हो गई हैं।

प्रस्तावित करीब 120 अरब डॉलर अनुमानित खर्च की नदी जोड़ो परियोजना को दो हिस्सों में बांटकर अमल में लाया जाएगा। एक प्रायद्वीप स्थित नदियों को जोड़ना और दूसरे हिमालय से निकली नदियों को जोड़ना। प्रायद्वीप भाग में 16 नदियां हैं, जिन्हें दक्षिण जल क्षेत्र बनाकर जोड़ा जाना है। इसमें महानदी, गोदावरी, पेन्नार, कृष्णा, तापी, नर्मदा, दमनगंगा, पिंजाल और कावेरी को जोड़ा जाएगा। पश्चिम के तटीय हिस्से में बहने वाली नदियों को पूर्व की ओर मोड़ा जाएगा। इस तट से जुड़ी तापी नदी के दक्षिण भाग को मुंबई के उत्तरी भाग की नदियों से जोड़ा जाना प्रस्तावित है। केरल और कर्नाटक की पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों की जलधारा पूर्व दिशा में मोड़ी जाएगी। यमुना और दक्षिण की सहायक नदियों को भी आपस में जोड़ा जाना इस परियोजना का हिस्सा है। हिमालय क्षेत्र की नदियों के अतिरिक्त जल को संग्रह करने की दृष्टि से भारत और नेपाल में गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र तथा इनकी सहायक नदियों पर विशाल जलाशय बनाने के प्रावधान हैं। ताकि वर्षाजल इकट्ठा हो और उत्तर-प्रदेश, बिहार एवं असम को भयंकर बाढ़ से छुटकारा मिले। इन जलाशयों से बिजली भी उत्पादित की जाएगी। इसी क्षेत्र में कोसी, घांघरा, मेच, गंडक, साबरमती, शारदा, फरक्का, सुन्दरवन, स्वर्णरेखा और दामोदर नदियों को गंगा, यमुना और महानदी से जोड़ा जाएगा। करीब 13,500 किमी लंबी ये नदियां भारत के संपूर्ण मैदानी क्षेत्रों में बहती हैं। वहीं 2528 लाख हेक्टेयर भूखंडों और वनप्रांतरों में प्रवाहित इन नदियों में प्रति व्यक्ति 690 घनमीटर जल है। कृषि योग्य 546 लाख हेक्टेयर भूमि इन्हीं नदियों की बदौलत सिंचित होती है। नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में नहरों के जरिए भेजा जाए। ऐसा हो तो पेयजल की समस्या का निदान तो होगा ही, सिंचाई के लिए भी पर्याप्त जल मिलने लग जाएगा। इसलिए नदी जोड़ो परियोजनाओं को भविष्य के लिए लाभदायी माना जा रहा है।

जीवन मंत्र

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

आराम भी जरूरी

दूसरी किसी भी चीज को गंवा देने पर उसे फिर से पाने का कोई अवसर मिल सकता है, लेकिन खोए हुए पलों को पुनः प्राप्त करना बड़े से बड़े आदमी के लिए भी संभव नहीं है। चबाने के लिए जबड़ों को खूब हिला सकते हैं।

शंकरन पिल्लै के मित्र एक बड़ी कंपनी के अध्यक्ष थे। एक बार उन्होंने बताया, 'अपनी कंपनी में काम करने वाले हरेक कर्मचारी को हम तीन महीने में एक बार दो हफ्ते की अनिवार्य छुट्टी देकर आराम करने भेज देते हैं।' यह सुनकर शंकरन चकित रह गए। उन्होंने पूछा, 'अपने कर्मचारियों की इतनी परवाह?' मित्र ने कहा, 'ऐसी कोई बात नहीं है। बस यह देखने के लिए कि किस-किस के न होनेके बावजूद कंपनी बिना किसी समस्या के चलती है?' आप भी इसी तरह किस काम को छोड़ने या टालने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा, इसका पता लगाइए और उसे छोड़ दीजिए। कई लोगों की आंखों के सामने वक्त खिसकता रहता है। दूसरी किसी भी चीज को गंवा देने पर उसे फिर से पाने का कोई अवसर मिल सकता है, लेकिन खोए हुए पलों को पुनः प्राप्त करना बड़े से बड़े आदमी के लिए भी संभव नहीं है। चबाने के लिए, जबड़ों को खूब हिला सकते हैं। मगर ज्यादा चीजों को मुंह में भर लेंगे, तो सांस बंद हो जाएगी। अंतराल के बिना काम करना भी गलत है। शरीर और मन को जब-तब आराम देने पर ही पूरी क्षमता प्रकट होगी।

दूसरी बात यह है कि कुढ़ते हुए काम करने का विचार छोड़कर अपने कार्यों को उत्सव के रूप में करके देखिए। थकान नहीं होगी। खामियां नहीं आएंगी। क्या किसी सुबह चिड़ियों की चहचहाहट सुनकर आपने उत्साह पाया है? कितने दिन नहाते समय शरीर के एक-एक बिंदु को गीला करते हुए पानी के नीचे उतरने को चाव से महसूस किया है? क्या ध्यान को भटकने न देकर आनंद का अनुभव करते हुए गाड़ी चलाई है? खूब स्वादिष्ट भोजन सामने होने पर भी केवल पहले कौर को ही आप स्वाद लेकर खाते हैं। उसके बाद के कौर को आपका हाथ यांत्रिक गति से ले जाकर मुंह में डालेगा। मुंह अपनी आदत के मुताबिक चबाकर उसे रसदार बनाकर अंदर धकेल देगा। मुंह में डाला हुआ खाना कैसे चबाए जाने के बाद आहार नली से उतरकर पेट में जाता है, इस पर क्या आपने एक बार भी पूर्ण रूप से गौर किया है? आनंदपूर्वक रहना है, इस इच्छा को भूलकर काम में फंस जाने की वजह से आप यही जवाब देंगे, 'अरे इन सब कामों में कोई अपना वक्त क्यों जाया करेगा?' बताइए, क्या आप इस संसार में केवल नाक से सांस लेने और छोड़ने के लिए आए हैं? यह तो प्राणों को शरीर के अंदर टिकाए रखने भर के लिए काम आएगा। जीवित रहना अलग चीज है, जीवन को जीना बिल्कुल अलग बात है। कम से कम एक क्षण पूरी जागरूकता से जीकर देखिए। जिंदगी का रुख ही बदल जाएगा। नियमित योग साधना इसमें काम आएगी।

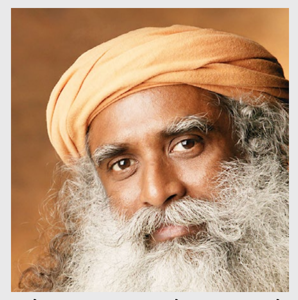

जीवन ऊर्जा

फ्रांसिस स्कॉट फिट्जगेराल्ड : निधन 21 दिसंबर, 1940 — देहावसान

फ्रांसिस स्कॉट फिट्जगेराल्ड एक अमेरिकी उपन्यासकार, निबंधकार और लघु कथाकार थे। उनका जन्म 24 सितंबर, 1896 में हुआ था। वे अपने उपन्यासों के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं, जो जार्ज युग' की तेजतर्रारता और अधिकता का चित्रण करते हैं- एक ऐसा शब्द, जिसे उन्होंने लोकप्रिय बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने चार उपन्यास, चार कहानी संग्रह और 164 लघु कथाएं प्रकाशित कीं। हालांकि उन्होंने 1920 के दशक में अस्थायी रूप से लोकप्रिय सफलता और दौलत हासिल की और अब उन्हें व्यापक रूप से 20वीं शताब्दी के महानतम अमेरिकी लेखकों में से एक माना जाता है। उनका निधन 21 दिसंबर, 1940 में हुआ था।

कभी भी एक हार को अंतिम हार से भ्रमित न करें

आप जो भी बनना चाहते हैं, उसके लिए कभी देर नहीं होती। मैं आशा करता हूं कि आप एक ऐसा जीवन जिएं, जिस पर आपको गर्व हो और यदि आप पाते हैं कि आप नहीं हैं, तो मैं आशा करता हूं कि आप में फिर से शुरुआत करने की ताकत है। दयालु होना सही होने से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

कई बार लोगों को बोलने वाले तेज दिमाग की नहीं, बल्कि सुनने वाले खास दिल की जरूरत होती है। दुनिया केवल आपकी आंखों में मौजूद है। आप इसे जितना चाहें उतना बड़ा या छोटा बना सकते हैं। मुझे आशा है कि आप इसे सर्वश्रेष्ठ बनाएंगे और मुझे आशा है कि आप ऐसी चीजें देखेंगे जो आपको चौंका देंगी। मुझे आशा है कि आप उन चीजों को महसूस करेंगे, जिन्हें आपने पहले कभी महसूस नहीं किया। मुझे आशा है कि आप एक अलग दृष्टिकोण वाले लोगों से मिलेंगे और अंत में, हम सब सिर्फ इंसान हैं। इस विचार के नशे में हैं कि प्यार, केवल प्यार ही हमारे टूटेपन को ठीक कर सकता है। कभी भी एक हार को अंतिम हार से भ्रमित न करें। बुद्धिमत्ता को किसी व्यक्ति द्वारा विरोधाभासी तर्कों के दोनों पक्षों के भीतर वैधता देखने की क्षमता से मापा जाता है। मां कहती है कि कभी-कभी दो आत्माएं एक साथ पैदा होती हैं और जन्म से पहले ही वे प्रेम में होती हैं।

इससे पहले कि आप दूसरों की आलोचना करें, याद रखें, उन्हें जीवन में उतने अवसर नहीं मिले होंगे जितने आपको मिले हैं। यह मत भूलो कि तुम कौन हो और कहां से आए हो। जीवन शक्ति न केवल सहन करने की क्षमता में, बल्कि शुरू करने की क्षमता में भी दिखाई देती है। पतझड़ में कुरकुरे होने पर जीवन फिर से शुरू होता है।

सक्सेस मंत्र

भावनाओं को काबू कर लें सही फैसला

भावनाओं में बहकर लिए गए फैसले बाद में परेशानी का सबब बनते हैं। कॅरियर हो या निजी जीवन में भावनाओं पर नियंत्रण रखना बहुत जरूरी है। ज्यादा उत्तेजना या उदासीनता सफलता के रास्ते में रोड़ा साबित होते हैं। जब भी कोई अहम मौका या फैसला लेना हो तो ठंडे दिमाग से सारी स्थिति को समझना जरूरी होता है। मनोवैज्ञानिक अध्ययन दर्शाते हैं कि भावनाओं को तर्क से अलग नहीं किया जा सकता और इनको अलग कर दिखाने वाले परीक्षण और प्रयास पूरी तरह से नाकाम साबित हुए हैं। उदाहरण के लिए रिटेल सामान के लिए खरीददार तब ज्यादा पैसे का भुगतान करेगा जब उसका मूड खराब होगा (तब वह ज्यादा उत्तेजित होता है और वह सारा काम तुरंत निपटा देना चाहता है)। या अच्छे मूड में होगा (जब वह अति आत्मविश्वास से भरा होता है और उदार भाव में होता है)। बोली लगाने वाले नीलामी के दौरान जोश में आकर सीमा लांघ जाते हैं और अगर सामने वाले को हराने की जिद पकड़ लेते हैं तो उस सामान की जरूरत से ज्यादा रकम चुका देते हैं। फोकस अनिवार्य रूप से एक ऐसे क्षेत्र में केंद्रित हो जाता है, जिसका किसी तरह का दस्तावेज तैयार करना बहुत ही मुश्किल है और इसे किसी नेतृत्व तैयार करने वाली कक्षा में पढ़ा पाना भी संभव नहीं है। इस क्षेत्र में मूड, व्यवहार, व्यक्तिगत तालमेल, समूह का व्यवहार, सामाजिक रूपरेखा और ऐसे ही अनेक कारक काम करते हैं। इन चीजों की समझ ही फैसले लेने में महत्वपूर्ण है और इससे जुड़े पाठों को काफी पहले से पढ़-समझ लेना चाहिए। मशीनी ढंग से ना सोचें। व्यहारिक समझ विकसित कर स्थिति के अनुरूप फैसले लें- खुद को जानें। आप कैसा महसूस कर रहे हैं, यह जान लीजिए। एक तार्किक रोबोट की तरह व्यवहार न करें। गुस्से, ईर्ष्या और भय के साये में फैसला ना लें उम्मीद, विश्वास, स्थायित्व और दया इन चार भावों पर जोर देकर अपने समूह का विश्वास हासिल करें। अंहकार, खुद के महत्व और हर हाल में जीतने की जिद से बचें। वह काम कदापि न करें जो आप जानते हैं कि गलत है। नैतिक मूल्य बेशक काम पूरा तरह से सफल होने की गारंटी नहीं देते, लेकिन इसके उलट चलने पर देर-सवेर व्यक्तिगत हानि होना तय हो जाता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

पंचमहाभूतों का सम्मान

आज सुबह जब मैं बाथरूम में नहाने गया तो पानी की बाल्टी जो बीच में पड़ी थी उसे पैर से एक तरफ सरका दिया। बाल्टी में भरे पानी को देखकर मुझे अपनी भूल का अहसास हुआ। पानी जो चन्द्र ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है और पंचमहाभूतों में जल तत्व इस जगत का जीवन है और हम सबके लिए पूजनीय है उसे पैर लगाना मुझे अपनी ग़लती का अहसास हुआ और उसी समय मैंने पानी से भरी हुई बाल्टी से माफी माँगी और दुबारा कभी भविष्य में ऐसी ग़लती नहीं करूँगा, ये निश्चय किया।

जल वायु अग्नि पृथ्वी और आकाश इन पंचमहाभूतों से मिलकर इस सृष्टि की रचना हुई है और यही हमारे जीवन का आधार है। इन पंच शक्तियों से बड़ी दुनिया में और कोई शक्ति नहीं है। भवन में इनका उचित स्थान वास्तु शास्त्र का प्रमुख प्रयोजन है।

अगर कोई व्यक्ति इन प्राकृतिक शक्तियों का सम्मान करता है इनके प्रति श्रद्धा भाव रखता है। यक़ीन मानिए उसके घर के सभी वास्तु दोष स्वतः ही दूर हो जाते हैं। जब भी जल का पान करें या उपयोग करें उसे जल देवता मानकर उसके प्रति आदर का भाव जरूर रखें। वायु जो इस जगत का प्राण है इसे दूषित होने से रोकने का हर संभव प्रयास करें व हवन यज्ञ मंत्र उच्चारण से शुद्ध रखने की कोशिश करें।

अग्नि जिसकी ऊर्जा से इस सृष्टि को गति व प्रकाश मिलता है जब भी कहीं प्रज्वलित अग्नि को देखें। उसे श्रद्धा भाव से नमन करें। हर सुबह जब भी सूर्य के दर्शन करें, उसे प्रणाम करना कभी नहीं भूलें। पृथ्वी जिसके द्वारा हमें यह शरीर प्राप्त हुआ है। भोजन और रहने के लिए स्थान मिला है। उसका ऋण हम कभी नहीं चुका सकते। इसे स्वच्छ व हरा भरा रखने का प्रयत्न करें। प्रातः पलंग से उठते ही पृथ्वी पर पैर रखते हुए पृथ्वी प्रणाम अवश्य करें।

आकाश जो सभी तत्वों का केन्द्र है और सर्वशक्तिशाली है, ध्यान रखें, इसकी उपेक्षा करने की ग़लती कभी नहीं होनी चाहिए। जब भी आकाश की तरफ देखें। श्रद्धा से आँखें झुकाकर इसका अभिवादन करें।

जो मनुष्य इन पंचमहाभूतों का आदर करता है और इनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखता है प्राकृतिक शक्तियां उसकी दास हो जाती है और फिर उसके लिए कुछ भी करना असंभव नहीं है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।)

मध्य रेल महाप्रबंधक ने किया इगतपुरी-मनमाड खंड का विस्तृत निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल के महाप्रबंधक धर्मवीर मीना ने 19 दिसंबर, 2024 को भुसावल मंडल पर इगतपुरी-मनमाड खंड का व्यापक संरक्षा निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत घोटी-पाडली खंड के कर्व संख्या 10 और माइनर ब्रिज संख्या 153/2 तथा लहवीत-देवलाली खंड पर एलसी गेट संख्या 84एफ से हुई।

जनप्रतिनिधियों और मीडिया से बातचीत

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने जन प्रतिनिधियों और यूनियन सदस्यों के साथ चर्चा की। उन्होंने मीडिया से बातचीत कर यात्री सुविधाओं और बुनियादी ढांचे में सुधार की जानकारी दी। इस निरीक्षण में मंडल रेल प्रबंधक इति पांडे सहित भुसावल मंडल और मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

देवलाली स्टेशन: हरित पहल और ऐतिहासिक संग्रहालय

देवलाली स्टेशन, भुसावल मंडल का पहला ग्रीन स्टेशन है, जहां 91 किलोवाट का सोलर पावर प्लांट लगाया गया है। यह सालाना 1.32 लाख यूनिट बिजली उत्पन्न करता है और 100 मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन कम करेगा। स्टेशन पर पंचवटी रेलवे संग्रहालय के रूप में एक अनूठा कोच तैयार किया गया है, जो ऐतिहासिक कलाकृतियों को प्रदर्शित करता है।

नासिक रोड स्टेशन और कुंभ मेला तैयारी

महाप्रबंधक ने नासिक रोड स्टेशन पर सर्कुलेटिंग एरिया, आरआरआई और ओएचई डिपो का निरीक्षण किया। उन्होंने 2027 के नासिक कुंभ मेले के लिए हो रही तैयारियों की समीक्षा की और विभिन्न बुनियादी ढांचे के कार्यों का जायजा लिया।

हाई-स्पीड रन और ट्रैक निरीक्षण

गोदावरी ब्रिज और ओढ़ा-लासलगांव खंड पर 36 किलोमीटर की हाई-स्पीड रन का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, सीमित ऊंचाई वाले सबवे (एलएचएस) और ट्रैक्शन सबस्टेशन का भी निरीक्षण हुआ।

मनमाड स्टेशन: यात्री सुविधाओं की समीक्षा

मनमाड स्टेशन पर क्रू लॉबी, रनिंग रूम, सिग्नल और दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया गया। महाप्रबंधक ने ₹अमृत स्टेशन योजना₹ के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए।

पुणे स्टेशन पर महिला का चोरी हुआ बैग लौटाया गया

सतर्कता

डीबीडी संवाददाता | पुणे

पुणे रेलवे स्टेशन पर एक महिला रंजीता देवी, जो अपने दो छोटे बच्चों के साथ गोरखपुर-पुणे ट्रेन से रात 2:30 बजे उतरी थीं, का बैग चोरी हो गया। बैग में एक सोने का लॉकेट, चांदी की पायल, तीन अंगूठियां और महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। महिला, जो अपने पति का इंतजार कर रही थी, अंब्रेला गेट के पास बैठकर सो गई। जब वह जागी, तो उसने पाया कि उसका बैग गायब था। रोते हुए उसने प्लेटफॉर्म पर मौजूद अनिल कुमार तिवारी से मदद मांगी।

आरपीएफ ने दिखाई तत्परता

अनिल कुमार तिवारी ने तुरंत सीसीटीवी कक्ष में जाकर ऑन-ड्यूटी आरपीएफ अधिकारी श्री बालाजी भोसले को मामले की जानकारी दी। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद चोर की पहचान की गई, और उसकी तस्वीर ऑन-ड्यूटी टीम को भेजी गई। आरपीएफ के हेड कांस्टेबल दिलीप कानडे और कांस्टेबल विनोद मीणा ने तेजी से कार्रवाई करते हुए चोर को पकड़ लिया और महिला का चोरी हुआ बैग बरामद कर लिया।

सुरक्षित लौटाया गया बैग

बैग की पूरी जांच के बाद और महिला का बयान लेने के उपरांत अनिल कुमार तिवारी ने महिला को उसका बैग सुपुर्द कर दिया।

महिला ने जताया आभार

रंजीता देवी ने अनिल कुमार तिवारी, स्टेशन प्रबंधक, पुणे रेल सुरक्षा बल और पुणे मंडल की टीम का धन्यवाद करते हुए उनकी सतर्कता और सहयोग की सराहना की। रेल सुरक्षा बल की इस तत्परता ने यात्रियों की सुरक्षा और भरोसे को और मजबूत किया है।

म्हाडा में 13 जनवरी को आयोजित होगा आठवां 'लोकतंत्र दिवस'

मुंबई। महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (म्हाडा) द्वारा 13 जनवरी 2024 को दोपहर 12 बजे अपने मुख्यालय में आठवें 'लोकतंत्र दिवस' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता म्हाडा के उपाध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव जयसवाल करेंगे। लोकतंत्र दिवस का आयोजन सरकारी तंत्र द्वारा आम नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं का न्यायपूर्ण और तत्परता से समाधान करने के लिए किया जाता है। जनवरी 2024 से 'म्हाडा' हर महीने के दूसरे सोमवार को लोकतंत्र दिवस का आयोजन करेगा। अब तक सात लोकतंत्र दिवस आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें कई नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया है। कार्यक्रम में संबंधित विभागों और बोर्डों के प्रमुख भी उपस्थित होते हैं, जिससे निर्णय प्रक्रिया सरल और शीघ्र होती है। म्हाडा लोकतंत्र दिवस में भाग लेने के लिए आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में होना चाहिए। आवेदन फॉर्म 1A से 1D तक म्हाडा की आधिकारिक वेबसाइट https://mhada.gov.in पर उपलब्ध हैं।

भारतीय तटरक्षक बल के लिए एफपीवी और एनजीओपीवी का प्लेट कटिंग समारोह आयोजित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), एक नवरत्न डीपीएसयू, ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए 14 एफपीवी परियोजना के पहले तीव्र गश्ती पोत (एफपीवी) और एनजीओपीवी परियोजना के दूसरे जहाज की प्लेट कटिंग का कार्य आज संपन्न किया। समारोह की अध्यक्षता एमडीएल के निदेशक (जहाज निर्माण) बीजू जॉर्ज ने की, जिसमें डीआईजी शाजेन कुरियन, पीडी (एमएटी), डीआईजी अलंकार सिंह और आईसीजी व एमडीएल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

एनजीओपीवी परियोजना

एमडीएल ने भारतीय तटरक्षक बल के साथ 1614.89 करोड़ रुपये की लागत से छह अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती जहाज (एनजीओपीवी) बनाने का अनुबंध किया है। ये पोत 9000 किलोवाट इंजन और जुड़वां नियंत्रणीय पिच प्रोपेलर से लैस होंगे, जो 23 समुद्री मील से अधिक गति प्राप्त करेंगे। इन जहाजों का उपयोग तटीय और अपतटीय गश्त, मत्स्य संरक्षण, तस्करी विरोधी अभियानों और समुद्री डकैती रोकने के लिए किया जाएगा। पहले एनजीओपीवी की डिलीवरी जुलाई 2027 और दूसरे एनजीओपीवी की डिलीवरी दिसंबर 2027 में निर्धारित है।

समारोह का महत्व

प्लेट कटिंग समारोह एफपीवी और एनजीओपीवी परियोजनाओं के उत्पादन कार्यों की आधिकारिक शुरुआत को दर्शाता है। ये जहाज भारतीय तटरक्षक बल की परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

एफपीवी परियोजना

एमडीएल ने भारतीय तटरक्षक बल के साथ 1070 .47 करोड़ रुपये की लागत से 14 तीव्र गश्ती पोतों के निर्माण का अनुबंध किया है। ये पोत 33 समुद्री मील से अधिक गति प्राप्त करने वाले वाटरजेट प्रोपल्शन ड्राइव और हाई-स्पीड डीजल इंजन से लैस होंगे। इन जहाजों का उपयोग तटीय गश्त, मत्स्य सुरक्षा, खोज और बचाव मिशनों के अलावा संचार, एस्कॉर्ट, लॉजिस्टिक सहायता और चिकित्सा निकासी जैसी भूमिकाओं में किया जाएगा। एफपीवी परियोजना का पहला पोत मार्च 2026 में वितरित किया जाएगा।

एमडीएल ने भारतीय नौसेना को सुपुर्द किए 'नीलगिरि' और 'सूरत' स्टेल्थ जहाज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने भारतीय नौसेना को परियोजना 17ए श्रेणी का पहला स्टेल्थ फ्रिगेट 'नीलगिरि' और परियोजना 15बी श्रेणी का चौथा स्टेल्थ विध्वंसक 'सूरत' सौंपा। यह ऐतिहासिक घटना एमडीएल में आयोजित एक कार्यक्रम में संपन्न हुई, जिसमें कई वरिष्ठ नौसेना अधिकारी और एमडीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजीव सिंघल उपस्थित थे।

नीलगिरि – परियोजना 17ए का पहला स्टेल्थ फ्रिगेट

- नीलगिरि को उन्नत स्टेल्थ डिजाइन और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ तैयार किया गया है। इसमें रडार पारदर्शी डेक फिटिंग और स्टेल्थ संरचना का उपयोग किया गया है, जिससे इसे ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है।
- यह जहाज दुश्मन की पनडुब्बियों, लड़ाकू विमानों, और सतह के युद्धपोतों के विरुद्ध युद्ध करने में सक्षम है। इसमें उच्चतम स्तर की स्वदेशी सामग्री और उन्नत हथियार प्रणालियां शामिल हैं।
- स्वदेशी डिजाइन और निर्माण से यह जहाज आत्मनिर्भरता और 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देता है।

सूरत – परियोजना 15बी का चौथा स्टेल्थ विध्वंसक

- सूरत एक शक्तिशाली युद्धपोत है, जो ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल और बराक-8 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों से लैस है।
- इसमें हल पर लगा सोनार, टॉरपीडो ट्यूब लॉन्चर, और एएसडब्ल्यू रॉकेट लॉन्चर जैसे स्वदेशी पनडुब्बी रोधी हथियार और सेंसर शामिल हैं।
- पी15बी श्रेणी में 72% स्वदेशी सामग्री है, जो इसे नौसेना की पिछली श्रेणियों की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर बनाता है।

एमडीएल की उपलब्धियां

एमडीएल भारतीय नौसेना के लिए स्वदेशी युद्धपोत निर्माण में अग्रणी रहा है। लिएंडर, गोदावरी, और शिवालिक श्रेणी के फ्रिगेट से लेकर स्कॉर्पीन पनडुब्बियों तक, एमडीएल ने देश के युद्धपोत निर्माण में आत्मनिर्भरता स्थापित करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। नीलगिरि और सूरत भारतीय नौसेना की युद्धक क्षमताओं को और मजबूत करेंगे। समय से पहले सुपुर्दगी और उच्च गुणवत्ता वाले निर्माण एमडीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जो वैश्विक मानकों पर खरा उतरता है।

महान समाज सुधारक संत गाडगेबाबा की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को मनपा सचिव किशोर शेलके और कार्यकारी अभियंता घनशाम नवांगुल ने मनपा मुख्यालय में उनकी फोटो पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी माधवी पोफले, सहायक सुरक्षा अधिकारी सुरेश पवार और अन्य कर्मचारियों ने भी संत गाडगेबाबा की फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

वसई रोड-भायंदर के बीच रात्रिकालीन जंबो ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा रेलपथ, सिग्नलिंग प्रणाली और ऊपरी उपस्करों के रखरखाव के लिए वसई रोड और भायंदर स्टेशनों के बीच 21/22 दिसंबर 2024 (शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि) को रात्रिकालीन जंबो ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक 00:30 बजे से 04:00 बजे तक अप और डाउन धीमी लाइनों पर लागू रहेगा।

कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

इसके अलावा, पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 22 दिसंबर 2024 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

ब्लॉक अवधि में बदलाव

सभी धीमी लाइन की ट्रेनें वसई रोड/विरार और बोरीवली/भायंदर स्टेशनों के बीच तेज लाइनों पर चलाई जाएंगी। इस अवधि में कुछ उपनगरीय ट्रेनें रद्द रहेंगी।

22 दिसंबर को मध्य रेल मुंबई मंडल पर मेगा ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल, मुंबई मंडल ने 22 दिसंबर 2024 को अपने उपनगरीय खंडों पर महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए मेगा ब्लॉक की घोषणा की है। इस दौरान विभिन्न रेल सेवाओं में बदलाव होंगे। ठाणे और कल्याण स्टेशनों के बीच अप और डाउन फास्ट लाइन सुबह 10.40 बजे से दोपहर 3.40 बजे तक बंद रहेगी। इस समय के दौरान, सीएसएमटी मुंबई से सुबह 09.34 बजे से 03.03 बजे तक छूटने वाली डाउन फास्ट/सेमी-फास्ट लोकल सेवाएं ठाणे और

कल्याण के बीच डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी। इन सेवाओं को कलवा, मुंब्रा, और दिवा स्टेशनों पर भी रुकना होगा और ये अपने निर्धारित समय से 10 मिनट देरी से गंतव्य तक पहुंचेंगी। वहीं, सुबह 10.28 बजे से दोपहर 03.40 बजे तक, कल्याण से चलने वाली अप फास्ट/सेमी-फास्ट लोकल सेवाएं भी ठाणे और कल्याण के बीच अप स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी और दिवा, मुंब्रा और कलवा स्टेशनों पर रुकने के बाद मुलुंड में अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट हो जाएंगी। इस दौरान ये सेवाएं 10 मिनट की देरी से अपने गंतव्य पर पहुंचेंगी। सीएसएमटी/दादर से छूटने वाली डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को ठाणे और कल्याण के बीच 5वीं लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा, जबकि सीएसएमटी/दादर पहुंचने वाली अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को कल्याण और ठाणे/विक्रोली स्टेशनों के बीच 6वीं लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। अपेक्षित कार्य समय पर पूरे होंगे। विवाद से बचें। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा।

वृष कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। भावना में बहकर कोई निर्णय न लें। किसी नजदीकी व्यक्ति से संबंध बिगड़ सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। धैर्य रखें। नौकरी में तनाव रहेगा।

मिथुन स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। कोई बड़ा सौदा बड़ा लाभ दे सकता है। प्रमाद न कर भरपूर प्रयास करें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। धनलाभ सहज होगा।

कर्क कानूनी बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नए काम मिल सकते हैं। नौकरी में अधीनस्थ कर्मचारी सहयोग करेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में उपहार आदि देना पड़ सकते हैं। जल्दबाजी न करें।

सिंह राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा। सहकर्मी साथ देंगे। किसी धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है। अध्यात्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता तथा उत्साह में वृद्धि होगी।

कन्या नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यस्थल पर सुधार या परिवर्तन संभव है। लंबित कार्य पूर्ण होने के योग हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ फल देगा।

तुला पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मित्रों तथा परिवार के सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। शोध इत्यादि कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। संगीत इत्यादि रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। जोखिम न उठाएं।

वृश्चिक काम में मन नहीं लगेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं गुम हो सकती हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवेक से कार्य करें। लाभ होगा। चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि संभव है।

धनु यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

मकर यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से मनोनुकूल लाभ होगा। पुराना रोग उभर सकता है।

कुंभ नजदीकी वातावरण सुखद रहेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे। दुष्टजनों से सावधान रहें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

मीन पुराना रोग परेशानी तथा बाधा का कारण बन सकता है। लापरवाही न करें। फालतू खर्च होगा। आर्थिक परेशानी रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में समस्याएं रहेंगी। यात्रा यथासंभव टालें। जोखिम नहीं लें।

हस्तरेखा के माध्यम से हम उसका भविष्य बता सकते हैं

आज के समय में बिना विवाह के कोई भी व्यक्ति अकेला जीवन नहीं जीना चाहता है। हस्त रेखा के माध्यम से अपनी विवाह रेखा दिखाएं और जल्द से जल्द अपनी विवाह संबंधित जो भी उसे परेशानी आ रही है अथवा जो भी उससे संबंधित कोई भी अगर कार्य करना है तो वह जल्द से उपाय करें। सबसे पहले हम यह जान लेते हैं कि विवाह रेखा कौन से हाथ में देखी जाती है? विवाह रेखा कनिष्ठका यानि सबसे छोटी उंगली उसके ऊपर बुध पर्वत होता है और उसी के निचले हिस्से में थोड़ा सा टेढी स्थिति में अर्थात आडी स्थिति में यह रेखा पाई जाती है इस रेखा से हम विवाह के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते है। इन रेखाओं में जो सबसे गहरी रेखा होगी वह स्पष्ट विभाग की रेखा होगी। अर्थात उतने उस व्यक्ति के संबंध बन चुके हैं, इसमें प्रेम संबंध भी आ जाता है इसीलिए कईयों के जीवन काल में यह समस्या रहती है कि प्रेम संबंध तो उनका हो गया लेकिन उनकी शादी नहीं हो पाई तो उसका कारण यह है कि उसकी विवाह

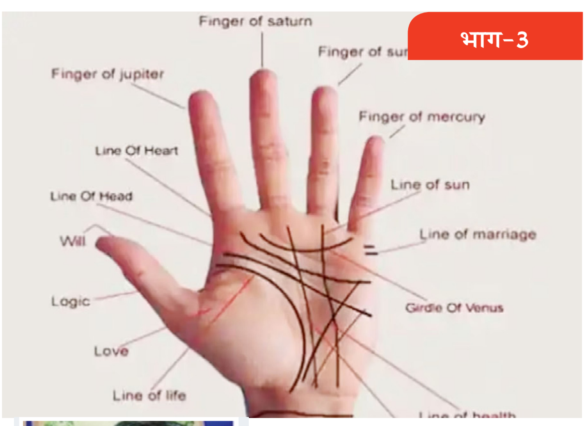

प्रियंका जैन
9769994439

रेखा उस समय स्पष्ट नहीं थी। हिंदू ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ऐसे रहस्य हैं जिनका हमें केवल पढ़ने मात्र से अथवा देखने मात्र से उसका ज्ञान हो जाता है। हस्तरेखा ऐसा विषय है ज्योतिष शास्त्र का कि जिसके माध्यम से हम अगर किसी भी जातक की कुंडली नहीं है हस्तरेखा के माध्यम से हम उसका भविष्य बता सकते हैं और इसमें भी यह सबसे बड़ी बात है कि हस्तरेखा कौन सी रेखा का क्या महत्व होता है। यह सबसे बड़ी बात है किस रेखा से जातक को जीवन में प्रभाव मिल रहा है। जैसे कई लोगों की यह समस्या रहती है कि उनकी जॉब नहीं लग रही है आप कर रहे हैं तो टिकती नहीं है मन नहीं लगता जॉब में, बहुत सी ऐसी समस्याएं होती हैं। अपने काम को सही से नहीं करते इसलिए हाथ में सूर्य रेखा अनामिका उंगली यानी रिंग फिंगर के निचले क्षेत्र में होती है। तो सूर्य प्रत्यक्ष देवता है ज्योतिष शास्त्र में भी इस चीज को मानना है कि सूर्य के द्वारा बहुत सी ऐसी विशेषताएं हमें प्राप्त होती हैं। सूर्य रेखा अनामिका उंगली यानी रिंग फिंगर के निचले क्षेत्र से शुरू होकर ऊपर की तरफ जाती है सूर्य पर्वत से लेकर मणिबंध तक जाने वाली सूर्य रेखा को असाधारण माना जाता है। कलाकारों नेताओं या बड़े सितारों के हाथों में आसानी से देखी जाती है। लेकिन हाथों में यह रेखा होती ही नहीं है इससे यह भी पता लगता है। कि व्यक्ति किस क्षेत्र में जाएगा और जॉब उसकी किस क्षेत्र में लगेगी। उसी तरह रेखा या हथेली पर सूर्य रेखा का ना होना अशुभ माना जाता है। जरूरी नहीं की हर इंसान यश प्राप्त करें। जिन जातकों के हाथ में सूर्य रेखा ना हो उन्हें सूर्य देव की उपासना जरूर करना चाहिए, जल चढ़ाना चाहिए।

क्रमशः

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पोंसिबिलिटी है

काशी में भी दिखेगा महाकुंभ जैसा वैभव

- महाशिवरात्रि पर 13 अखाड़े करेंगे पेशवाई
- घाटों पर धुनी रमाएंगे संन्यासी

वाराणसी। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में भी महाकुंभ का वैभव दुनिया देखेगी। महाकुंभ में स्नान के बाद अखाड़ों का अगला पड़ाव काशी ही रहेगी। देवादिदेव महादेव का अभिषेक करके अखाड़ों के महामंडलेश्वर धर्मध्वजा को अनंत काल तक फहराने का आशीर्वाद मांगेंगे। इस दौरान काशी की सड़कों पर अखाड़ों की पेशवाई होगी, वहीं गंगा घाटों पर धुनी रमाए साधुओं की टोली भी डेरा डालेगी।

26 फरवरी को अखाड़ों की होगी पेशवाई

महाकुंभ के समापन के बाद 13 अखाड़े बनारस में बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए पहुंचेंगे। महाशिवरात्रि पर 26 फरवरी को काशी में अखाड़ों की पेशवाई होगी। गाजे-बाजे, रथ, हाथी और घोड़े के साथ अखाड़ों की पेशवाई अखाड़ों से श्री काशी विश्वनाथ धाम के साथ ही शहर की सड़कों पर निकलेगी। इस दौरान काशी की जनता बाबा विश्वनाथ की सेना के रूप में मशहूर नागा साधुओं का वैभव देखेगी। अपनी-अपनी धर्मध्वजा के साथ अखाड़ों के महामंडलेश्वर पेशवाई का नेतृत्व करेंगे।

भगवान शिव की सेना कहे जाते हैं नागा साधु

काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो। रामनारायण द्विवेदी ने बताया कि नागा साधु भगवान शिव की सेना कहे जाते हैं। 84 कोशात्मक काशी में महाकुंभ के बाद ये अपने इष्ट के जलाभिषेक के लिए काशी आएंगे। महाशिवरात्रि पर सभी 13 अखाड़ों की भव्य पेशवाई निकलेगी। अखाड़ों के महामंडलेश्वर पेशवाई के साथ ही बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करके सनातन की धर्मध्वजा को अनंत काल तक फहराने का आशीर्वाद लेंगे।

गंगा के तट पर धुनी रमाएंगे संन्यासी

महाकुंभ के पलट प्रवाह के दौरान गंगा के तट पर भी अखाड़ों के विविध रंग नजर आएंगे। साधु-संन्यासी गंगा के तट पर अपनी-अपनी धुनी रमाएंगे। कोई साधु एक पैर पर खड़ा होगा तो कोई धुनी रमाए होगा। कोई नागा वेश में होगा तो कोई भस्म रमाए होगा। कड़ाके की ठंड में खुले आसमान के नीचे ही गंगा के तट पर साधुओं का डेरा जमेगा।

अपनी धर्म ध्वजा के साथ पेशवाई में शामिल होंगे संन्यासी

श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा और उसके भ्राता अखाड़े कहे जाने वाले श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े और अग्नि अखाड़े के संन्यासी पूरे विधि विधान के साथ अपने-अपने अखाड़ों के इष्ट का आह्वान कर अपनी धर्म ध्वजा के साथ पेशवाई में शामिल होंगे। इसके अलावा महानिर्वाणी, निरंजनी, आनंद और अटल अखाड़े समेत सभी 13 अखाड़े नागा साधुओं के साथ काशी प्रवास करेंगे। जिला प्रशासन की ओर से पेशवाई के इंतजाम के लिए विभागों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

पं. प्रदीप मिश्रा की कथा में भीड़ हुई बेकाबू

- दो बार मची भगदड़, महिलाएं-बुजुर्ग दबे

एजेंसी | मेरठ

उत्तर प्रदेश के मेरठ में पं। प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा के छठे दिन शुक्रवार को भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई। कथा स्थल पर करीब एक लाख लोग मौजूद थे। जैसे ही कथा शुरू हुई, लोग जल्दबाजी में अंदर जाने लगे। बाउंसर्स ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एंट्री रोकनी शुरू की। इसी दौरान धक्का-मुक्की बढ़ गई और भगदड़ का माहौल बन गया। कई महिलाएं और बुजुर्ग इस भगदड़ में दब गए।

VVIP के आने से बढ़ी अव्यवस्था

कथा स्थल पर रोजाना डेढ़ लाख श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को VIP एंट्री के कारण अव्यवस्था बढ़ गई। मुख्य यजमान और भीड़ एक ही रास्ते से गुजर रहे थे। इस दौरान महिलाओं को बाउंसर्स ने अंदर जाने से रोक दिया। पीछे से भीड़ का दबाव बढ़ने पर लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। करीब 15-20 महिलाएं जमीन पर गिर गईं, जिससे भगदड़ और तेज हो गई।

एक दिन में दो बार हुई भगदड़

शुक्रवार को भगदड़ की घटनाएं दो बार हुईं। पहली घटना सुबह 9:30 बजे VIP पास के लिए जुटी भीड़ के दौरान हुई। हालांकि, यह जल्द ही शांत हो गई। दूसरी बार दोपहर 1 बजे भगदड़ मची, जब कथा स्थल पर एंट्री के लिए लोग धक्का-मुक्की करने लगे। सुरक्षा इंतजामों के बावजूद पुलिस और प्रशासन इस स्थिति को संभालने में विफल रहे।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ प्रशासन का एक्शन जारी

- घर के बाहर अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

संभल। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। जिला प्रशासन ने बीते 24 घंटों में उनके खिलाफ एक के बाद एक कार्रवाई की हैं। गुरुवार को बिजली चोरी का मामला सामने आने के बाद शुक्रवार को उनके घर पर प्रशासन का बुलडोजर चला। सांसद पर बिजली चोरी का केस दर्ज करते हुए 1।91 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि सांसद और पूर्व सांसद डॉ। शफीकुर्रहमान बर्क के नाम से लगे दो मीटरों की एमआरआई जांच में गड़बड़ी पाई गई।

झारखंड में बढ़ेंगे मिल्क कलेक्शन सेंटर

एजेंसी | रांची

झारखंड के पशुपालकों के लिए अच्छी खबर है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शुक्रवार को रांची के होटवार स्थित मेधा डेयरी प्लांट का औचक निरीक्षण कर कहा कि पशुपालन विभाग झारखंड में मिल्क कलेक्शन सेंटर में इजाफा करेगा। इसका उद्देश्य पशुपालकों से उचित मूल्य पर दूध लेकर उसका कलेक्शन करना है, ताकि बिचौलियों का सिंडिकेट खत्म किया जा सके। मेधा के उत्पादों को दूसरे राज्यों तक भी पहुंचाना है। इस दिशा में विभाग प्रयासरत है।

10 लाख लीटर रोजाना दूध की है डिमांड

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड में 10 हजार लीटर से दूध कलेक्शन का काम शुरू हुआ था। आज प्रतिदिन 3 लाख लीटर दूध का कलेक्शन हो रहा है, लेकिन बाजार की डिमांड 10 लाख लीटर प्रतिदिन है। इस कारण बाजार की डिमांड को दूसरी कंपनियां पूरा कर रही हैं, जबकि मेधा के उत्पाद की क्वालिटी सबसे अच्छी है।

पशुपालकों को नहीं मिल रहा दूध का उचित मूल्य-शिल्पी नेहा तिर्की

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पशुपालक किसानों को दूध का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीण इलाकों में बिचौलिए सक्रिय हैं। ऐसे में ये जरूरी है कि मिल्क कलेक्शन सेंटर में वृद्धि कर बिचौलियों के सिंडिकेट को खत्म किया जाए।।

रिश्ते में लगने वाले भाई ने नाबालिग बहन को बनाया हवस का शिकार

- मामले को रफा-दफा करने की कोशिश

सुपौल। बिहार के सुपौल में रिश्ते में लगने वाले भाई ने नाबालिग बहन को हवस को शिकार बना लिया है। इसके बाद आरोपी ने नाबालिग को धमकी देते हुए कहा कि अगर किसी को बताया तो वो काटकर नदी में फेंक देगा। घटना दो-तीन पहले की है। शुक्रवार को ग्रामीणों की शिकायत पर मामला पुलिस तक पहुंचा। घटना के बाद से आरोपित फरार है। इस मामले में पुलिस जांच में जुट गई है।

मोबाइल का लालच देकर किया घिनौना काम

यह घटना सुपौल के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार नाबालिग लड़की के जन्म के दो महीने बाद ही उसकी मां का निधन हो गया था। इसलिए वो अपनी फुआ के पास ही रहती है। आरोपित युवक जो रिश्ते में पीड़िता का भाई लगता है, उसने मोबाइल का लालच देकर इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद दो दिनों तक ग्रामीणों ने पंचायत कर मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की, इसी बीच किसी ग्रामीण ने घटना की सूचना त्रिवेणीगंज थाने की पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। मामले को लेकर इलाके में तनाव का माहौल है।

खबर संक्षेप

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

हंसडीहा। हंसडीहा-देवघर मार्ग पर एनएच 133 पर पगवारा के खेरीबारी टोला के मंगलवार देर शाम बाइक दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गयी।पहचान अनिल राय 40 वर्षीय हंसडीहा थाना क्षेत्र के ही चतरामोड का रहनेवाला था। वहीं घायल 25 वर्षीय युवक विजय मिर्धा बगल के विराजपुर का रहनेवाला है। जानकारी के अनुसार दोनों हंसडीहा से बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान खेरीबारी के पीछे से अज्ञात वाहन टक्कर मारते हुए फरार हो गया। बाइक समेत बाइक में बैठे दोनों सड़क के डिवाइडर से जा टकराये। घटना की सूचना पर हंसडीहा थाना से अवर निरीक्षक एलबी पासवान पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। इसके साथ दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट पहुचाया, जहां चिकित्सकों ने अनिल राय को मृत घोषित कर दिया। घटना में पुलिस ने दोनों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी।

एएसआई पर लगा एक लाख रुपए का जुर्माना

सुपौल। प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय राहुल उपाध्याय की अदालत ने शुक्रवार को भरण-पोषण मामले में एएसआई को एक लाख रुपया जुर्माना सुनाया। आवेदिका असलता देवी द्वारा 20/2014 भरण-पोषण को लेकर वाद दायर किया गया था। इस मामले में तत्काल खर्च के लिए अदालत ने 07 सितंबर 2015 को एक आदेश दिया गया था, जो पीड़िता को 6000 हजार रुपये प्रति माह दिया जाय। आदेश के बाद कुछ दिनों तक पीड़िता को तत्काल खर्च के लिए 6000 हजार रुपये भी दिया गया, लेकिन अचानक खर्च देना बंद कर दिया गया। 07 नवंबर 2024 तक बंद राशि कुल 01 लाख 40 हजार रुपया बकाया हो गया। जिसका भुगतान विपक्षी द्वारा नहीं किया जा रहा है। कोर्ट ने मामले में एएसआई रसिक लाल यादव वर्तमान में दरभंगा पदस्थापित है। 20 जनवरी 2025 को कोर्ट में सदेह उपस्थित होने का आदेश जारी किया है।

ट्रक चालक समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत

पूर्णिया। दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गयी। पहली घटना कसबा थाना क्षेत्र के एनएच-27 के काठपुल के समीप दो ट्रकों के बीच हुई भिड़ंत में एक चालक की मौत हो गयी। यह घटना गुरुवार की देर रात की है। वहीं दूसरी घटना शुक्रवार को एनएच-27 के हिना ईंट भट्ठा के समीप घटी है। इस सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक समेत दो युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। बताया जाता है कि गुरुवार की देर रात उत्तर प्रदेश से प्लाई बोर्ड लादकर गोरखपुर जिले के कैंपियर गंज निवासी दुर्योधन सिंह के पुत्र सह ट्रक चालक बलराम सिंह अपने ट्रक लेकर बंगाल जा रहे थे।

व्यापार जगत

शेयर बाजार में कोहराम

सेंसेक्स में ऊपरी स्तर से 1,712 अंक और निफ्टी में 528 अंक की गिरावट

- निवेशकों को 1 दिन में ही हुआ 8.65 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार 5वें दिन बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। इस सप्ताह बाजार में करीब 5 प्रतिशत की गिरावट हुई है। जून 2022 के बाद घरेलू शेयर बाजार में ये अभी तक की सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई है। निफ्टी अपने ऑलटाइम हाई से करीब 10 प्रतिशत तक टूट चुका है। आज के कारोबार में सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,700 अंक और निफ्टी 525 अंक से अधिक टूट गए। हालांकि आखिरी 20 मिनट के कारोबार में हुई खरीदारी के कारण दोनों सूचकांक निचले स्तर से मामूली सुधार करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.49 प्रतिशत और निफ्टी 1.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। निवेशकों को एक ही दिन में लगभग 8.65 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

निवेशकों को भारी नुकसान

शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े आठ लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद घट कर 441.11 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.76 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 8.65 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

टॉप गेनर्स और लूजर्स

गेनर्स: डॉक्टर रेड्डीज (+1.36%), नेस्ले (+0.14%), आईसीआईसीआई बैंक (+0.12%), एचडीएफसी लाइफ (+0.04%)।

लूजर्स: टेक महिंद्रा (-3.89%), ट्रेंट लिमिटेड (-3.67%), इंडसइंड बैंक (-3.62%), महिंद्रा एंड महिंद्रा (-3.59%), एक्सिस बैंक (-3.34%)।

प्रमुख सेक्टर पर प्रभाव

लगभग सभी सेक्टोरल इंडेक्स दबाव में रहे। सबसे ज्यादा गिरावट आईटी, रियल्टी, और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज में दर्ज की गई। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स: क्रमश: 2.43% और 2.11% गिरे।

अडाणी ग्रुप के बिहार में इन्वेस्टमेंट्स प्लान्स

तीन सेक्टर्स में 2,300 करोड़ रुपए निवेश

एजेंसी | नई दिल्ली

अडाणी ग्रुप लॉजिस्टिक्स, गैस डिस्ट्रीब्यूशन और एग्री-लॉजिस्टिक्स सेक्टर्स में टोटल 2,300 करोड़ रुपए के निवेश का प्लान बना रहा है, जिससे 27,000 एडिशनल डायरेक्ट और इनडायरेक्ट स्थानीय रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। अडाणी ने कहा कि ग्रुप ने पहले ही इन सेक्टर्स में 850 करोड़ रुपए का निवेश किया है और 25,000 लोगों को जॉब्स दिए हैं।

स्ट्रेटेजिक इंफ्रा में 1,000 करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट

कंपनी गति शक्ति रेलवे टर्मिनल्स, ICDs (इनलैंड कंटेनर डिपो) और इंडस्ट्रियल वेयरहाउसिंग पार्क्स समेत राज्य में स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर को डेवलप करने के लिए 1,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी।

स्मार्ट मीटर्स के लिए 2,100 करोड़ रुपए का निवेश होगा

कंपनी सीवान, गोपालगंज, वैशाली, सारण और समस्तीपुर समेत पांच शहरों में बिजली खपत की निगरानी को ऑटोमेट करने के लिए 28 लाख से ज्यादा स्मार्ट मीटर्स बनाने और इंस्टॉल करने के लिए 2,100 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इससे 4,000 लोकल जॉब्स पैदा होंगी।

सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 2,500 करोड़ रुपए का निवेश

अडाणी ग्रुप बिहार में वारिसलीगंज में कई फेज में 10 MMTPA की सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी स्थापित करने के लिए 2,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। इससे 9,000 डायरेक्ट और इनडायरेक्ट जॉब्स पैदा होंगे। इस ग्रीनफील्ड सीमेंट प्रोजेक्ट की नींव जुलाई में रखी गई थी।

एनर्जी सेक्टर में 20,000 करोड़ रुपए निवेश होगा

अडाणी ग्रुप बिहार में एक अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट सेट-अप करने के लिए लगभग 20,000 करोड़ रुपए का निवेश करने का प्लान बना रहा है। ग्रुप को उम्मीद है कि इस प्लांट से कम से कम 12,000 जॉब्स और ऑपरेशनल फेज के दौरान लगभग 1,500 स्किल्ड जॉब्स पैदा होंगी।

न्यूज़ ब्रीफ

देश के पहले अपतटीय क्षेत्र खनिज ब्लॉक नीलामी पर रोड शो करेगा खान मंत्रालय

नई दिल्ली। खान मंत्रालय शनिवार (21 दिसंबर) को गुजरात के पोरबंदर में बड़ा रोड शो करेगा। इसमें देश के अपतटीय क्षेत्रों में खनिज ब्लॉकों की पहली ई-नीलामी की झांकी प्रमुखता से दर्शाई जाएगी। ई-नीलामी के इस चरण में कुल 13 खनिज ब्लॉक शामिल हैं। खान मंत्रालय की तरफ से शुक्रवार को जारी बयान के मुताबिक कार्यक्रम की अध्यक्षता खान मंत्रालय के सचिव वीएल कांथा राव करेंगे। गुजरात के भूविज्ञान और खान आयुक्त धवल पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा उद्योग जगत के नेता इसमें शामिल होंगे। इसके साथ ही खनन, सीमेंट और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के इसमें भाग लेने की संभावना है, जो इस परिवर्तनकारी अवसर में बढ़ती रुचि को दिखाता है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण अपतटीय ब्लॉकों की खनिज क्षमता पर तकनीकी प्रस्तुति देगा। रोड शो में एसबीआई कैपिटल मार्केट्स (एसबीआईसीएपीएस), मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएसटीसी) और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की तरफ से प्रस्तुतियां दी जाएंगी। वहीं, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स नीलामी प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करेगा, जिसमें समय-सीमा, निविदा और भागीदारी की शर्तें शामिल होंगी।

सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स का आईपीओ खुला

मुंबई/नई दिल्ली। औषधि कंपनी सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शुक्रवार को खुलते ही दोपहर 12.10 बजे तक 66 फीसदी सब्सक्राइब हो गया है। रिटेल कैटेगरी 284 फीसदी सब्सक्रिप्शन के साथ फुल हो गई है, जबकि एनआईआई कैटेगरी में 48 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिला है। निवेशक इसमें निवेश के लिए 24 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। जाकारी के अनुसार सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने इस आईपीओ के लिए शेयर का प्राइस बैंड 372-391 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशक इसमें न्यूनतम 38 इक्विटी शेयरों और उसके बाद उसके गुणांक में बोली लगा सकते हैं। अहमदाबाद स्थित कंपनी सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स का 582 करोड़ रुपये का यह इश्यू, 500 करोड़ रुपये की नई इक्विटी बिक्री और 21 लाख शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है।

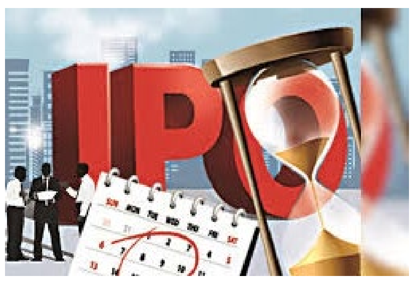

कैरारो इंडिया का आईपीओ खुला

24 तक बोली लगा सकेंगे निवेशक

मुंबई/नई दिल्ली। ऑटो पार्ट निर्माता कंपनी कैरारो इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए शुक्रवार को निवेशकों के लिए खुल गया है। कैरारो इंडिया के इस इश्यू के लिए निवेशक 24 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 1250 करोड़ जुटाना चाहती है।

मूल्य का दायरा 668-704 रुपए प्रति शेयर तय

कैरारो इंडिया ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 668-704 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के मौजूदा निवेशक 1,250 करोड़ रुपये में 1.78 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बेच रहे हैं। इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 21 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 21 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी इस आईपीओ के लिए एक भी फ्रेश शेयर इश्यू नहीं कर रही है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई, शनिवार, 21 दिसंबर 2024

फारूकी पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना

एजेंसी । दुबई

अफगानिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले के दौरान अंपायर के फैसले का विरोध करने के लिए उन्हें यह सजा दी गई है। फारूकी पर आईसीसी की आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया। फारूकी के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमैरिट अंक भी जोड़ दिया गया जिनका यह 24 महीने में पहला उल्लघंन था। उन्होंने मैच रेफरी एंडी पाइक्रोफ्ट द्वारा प्रस्तावित यह जुर्माना स्वीकार कर लिया। यह घटना गुरुवार को जिम्बाब्वे की पारी के पांचवें ओवर में हुई जब फारूकी की क्रेग इरविन के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील ठुकरा दी गई और उन्होंने इसका विरोध किया। मैच में डीआरएस उपलब्ध नहीं है, इसके बावजूद फारूकी ने रिव्यू का इशारा किया। यह उल्लंघन खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 के अंतर्गत आता है जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कुलदीप यादव के दावेदार पर होंगी सबकी निगाहें

मौजूदा चैंपियन हरियाणा की टीम के सामने खिताब बचाने की मुश्किल चुनौती

पिछली उपविजेता राजस्थान फिर कड़ी टक्कर देने को तैयार

विजय हजारे ट्रॉफी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत को आठ हफ्ते से भी कम समय में चैंपियंस ट्रॉफी खेलनी है। ऐसे में शनिवार से देशभर में शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी के लिए आगामी राष्ट्रीय वनडे चैंपियनशिप के दौरान एक बेहतरीन कलाई के स्पिनर (चोटिल कुलदीप यादव की जगह), ऋषभ पंत का साथ देने के लिए दूसरे विकेटकीपर और मुख्य तेज गेंदबाजों की फॉर्म पर सबकी नजरें लगी होंगी।

विकल्प की तलाश

कुलदीप यादव का 'ग्रोइन चोट के कारण एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में लंबे समय तक 'रिहैबिलिटेशन में रहना चयन समिति को अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर के साथ एक अच्छे विकल्प की तलाश करने के लिए मजबूर कर सकता है। वरुण चक्रवर्ती और गुजरात के रवि बिश्नोई दो कलाई के स्पिनर हैं जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया। बिश्नोई ने 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना एकमात्र वनडे खेला था। चक्रवर्ती ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी वापसी में पिछले सात टी-20 में 17 विकेट लिए जिनमें से 12 दक्षिण अफ्रीका में बल्लेबाजी के अनुकूल परिस्थितियों में चटकाए।

- 38 टीमें इस एकदिवसीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही हैं
- 105 मैच कुल खेले जाएंगे, फाइनल 18 जनवरी को
- 41 विकेट चक्रवर्ती ने 17 लिस्ट ए मैच में 4.25 के इकॉनमी रेट से लिए
- 36 विकेट गुगली गेंदबाज बिश्नोई ने 25 लिस्ट ए मैच में हासिल किए हैं

खुद को साबित करने का मौका

50 ओवर की टीम के मुख्य खिलाड़ी हालांकि अभी ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खेल रहे हैं। इसके बावजूद राष्ट्रीय प्रतियोगिता का अपना महत्व है क्योंकि बड़ौदा के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या जैसे सितारों को इसमें खुद को फिर साबित करने का मौका मिलेगा। पंजाब के अर्शदीप सिंह, मध्य प्रदेश के आवेश खान, राजस्थान के खलील अहमद, बंगाल के मुकेश कुमार, उत्तर प्रदेश के यश दयाल भी गेंदबाजी समूह में शामिल होना चाहेंगे जिसकी कमान, अगर सब कुछ ठीक रहा, तो उम्मीद है कि जसप्रीत बुमराह संभालेंगे।

अय्यर को तिलक से खतरा

62 वनडे में 47 से अधिक की औसत से रन बनाने वाले श्रेयस अय्यर क्या चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में जगह बना सकते हैं। या उन पर तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ी से मिलने वाली चुनौती का दबाव होगा जिनका लिस्ट ए औसत 52 से अधिक है। 2023 में दक्षिण अफ्रीका में अपने अंतिम वनडे पारी में तिलक ने 52 रन बनाए थे। हैदराबाद के लिए तिलक के प्रदर्शन पर भी चयन समिति की निगाह रहेगी और मुंबई को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी दिलाने वाले अय्यर भी अच्छी पारी खेलना चाहेंगे।

खुद ही अपना दुश्मन है पृथ्वी शॉ: एमसीए

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने विजय हजारे ट्रॉफी की टीम से बाहर किए जाने पर पृथ्वी शॉ की भड़ास को तूल नहीं देते हुए कहा कि वह लगातार अनुशासन तोड़ता रहा है और अपना दुश्मन खुद है। एमसीए के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि खराब फिटनेस, रवैये और अनुशासन मसले के कारण कई बार टीम को मैदान पर उसे छिपाने पर मजबूर होना पड़ता था। शॉ ने 16 सदस्यीय विजय हजारे ट्रॉफी टीम में जगह नहीं मिलने पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये गुस्सा निकाला था। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी विजेता टीम में थे। इससे पहले अक्तूबर मंर मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम से भी शॉ को इन्हीं कारणों से बाहर कर दिया गया था।

खराब रही फील्डिंग

अधिकारी ने कहा, सैयद मुश्ताक अली में हम दस फील्डरों के साथ खेल रहे थे क्योंकि शॉ को छिपाना पड़ता था। गेंद उसके पास से निकल जाती थी और वह पकड़ नहीं पाता था। बल्लेबाजी के दौरान भी उसे गेंद तक पहुंचने में दिक्कत हो रही थी। उसकी फिटनेस, अनुशासन और रवैया खराब है। फिर अलग-अलग खिलाड़ी के लिए अलग नियम नहीं हो सकते। सीनियर खिलाड़ी भी उसके रवैये की शिकायत करने लगे थे। मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान शॉ नियमित तौर पर अभ्यास सत्रों से नदारद रहे। पूरी रात बाहर रहने के बाद सुबह छह बजे टीम होटल पहुंचते थे। अधिकारी ने कहा कि मैदान से बाहर की हरकतों के कारण अधिक चर्चा में रहने वाले शॉ अपनी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर रहे हैं। इस तरह की सोशल मीडिया पोस्ट से उनका कुछ भला नहीं होने वाला।

विंडीज के खिलाफ वनडे में आक्रामक रवैया अपनाना होगा : रिचा

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने टी-20 सीरीज 2-1 से जीतने के बाद महिला टीम से तीन मैचों की आगामी वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाने को कहा है। घोष ने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए गुरुवार को सिर्फ 18 गेंदों में अर्धशतक जमाया जिससे भारत ने तीसरे टी-20 मैच में 217 रन बना 60 रन से बड़ी जीत दर्ज की। अब पहला वनडे मुकाबला (दिन-रात्रि) वडोदरा में रविवार को खेला जाएगा।

हालात के अनुसार रणनीति

बाद में उन्होंने मीडिया से कहा, हम यह लय वनडे में बरकरार रखना चाहेंगे। यह नया मैदान है और हम पहले हालात का आकलन करके रणनीति बनाएंगे। हमें आक्रामक रवैया अपनाना होगा। मैं हर मैच में आक्रामक बल्लेबाजी ही करना चाहती हूं। यह अभ्यास सत्र से आता है क्योंकि अभ्यास सत्र में अच्छा करने पर मैच में उसे दोहराना आसान हो जाता है। मैंने ऐसे ही तैयारी की है और इससे मुझे मदद मिलती है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से पावर हिटर रही हूं। मैंने अपने पिता को भी ऐसे खेलते देखा है। मैंने अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत की है। इसके अलावा महिला प्रीमियर लीग और महिला बिग बैश लीग में खेलने का काफी फायदा मिला। मैंने सोफी डिइन, डिएंड्रा डॉन और हैरी दी (हरमनप्रीत कौर) से इस पर काफी बात की है।

दक्षिण अफ्रीका ने महिला टी-20 टीम चुनी

अंडर-19 विश्व कप

एजेंसी । केपटाउन

दक्षिण अफ्रीका ने मलेशिया में 18 जनवरी 2025 से शुरू होने वाले अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है जिसकी कमान ऑलराउंडर कायला रेनेके को सौंपी गई है। दक्षिण अफ्रीका को समोआ, न्यूजीलैंड और नाइजीरिया के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। दक्षिण अफ्रीका 18 जनवरी को ही न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। टूर्नामेंट से पहले, वे आयरलैंड (13 जनवरी) और भारत (15 जनवरी) के खिलाफ दो अभ्यास मैच खेलेंगे।

अंडर-19 महिला एशिया कप

भारत फाइनल में, कल खिताब के लिए बांग्लादेश से टक्कर

4 विकेट से हराया श्रीलंका को टीम ने सेमीफाइनल में

एजेंसी । कुआलालंपुर

आयुषी शुक्ला (10/4) की फिरकी के दम पर भारत ने शुक्रवार को श्रीलंका को 31 गेंद रहते चार विकेट से हराकर अंडर-19 महिला टी-20 एशिया कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताब के लिए उसका सामना रविवार को बांग्लादेश से होगा। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अभी तक एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। भारत से न्योता पाकर बल्लेबाजी करने उतरे श्रीलंका की टीम नौ विकेट पर 98 रन ही बना पाई। उसका कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं

पाया। उसकी दो बल्लेबाज सुमुदु निसांसाला (21) और कप्तान मानुदी एन (33) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी। आयुषी के अलावा पारूणिका सिसोदिया ने दो विकेट लिए। भारत ने लक्ष्य 14.5 ओवर में छह विकेट पर 102 रन बनाकर हासिल कर लिया। भारत की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज ईश्वरी असवारे (0) तीसरी ही गेंद पर रन आउट हो गई। अगले ओवर में सनिका (4) भी पवेलियन लौट गई। इससे भारत का स्कोर दो विकेट पर पांच रन हो गया। इसके बाद जी कमलिनी (28) और जी त्रिशा (32) ने तीसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। अंत में एम विनोद ने नाबाद 17 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। भारत ने पहले मैच में पाक को नौ विकेट से हराया था। इसके बाद बांग्लादेश और श्रीलंका को मात दी जबकि नेपाल के खिलाफ मैच बेनतीजा रहा।

बांग्लादेश ने नेपाल को धोया

बांग्लादेश ने दूसरे सेमीफाइनल में एकतरफा मुकाबले में नेपाल को सात गेंद रहते नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। बारिश के चलते 11-11 ओवर के किए गए मैच में पहले बांग्लादेश ने नेपाल को आठ विकेट पर 54 रन पर रोक दिया। नेपाल की दोनों ओपनरों सहित चार बल्लेबाज रन आउट हुईं। सवित्री दामी (11) ही दोहरे अंक तक पहुंची। जवाब में बांग्लादेश ने लक्ष्य 9.5 ओवर में एक विकेट पर 58 रन बनाकर हासिल कर लिया। फहोमिदा ने नाबाद 26 और सुमैया अख्तर ने नाबाद दस रन बनाए।

उत्कृष्टता की ललक ने अश्विन को खास बनाया

एजेंसी । मेलबर्न

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन और विरोधी की चिंता किए बिना अपने कौशल में निखार की रविचंद्रन अश्विन की ललक ने उन्हें खास बनाया है। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज के बीच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा लेने वाले 38 वर्ष के अश्विन के लिए शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, वह यथास्थिति से कभी संतुष्ट नहीं होता। पिछले दो तीन साल में उसने जैसी गेंदबाजी की और अपने कौशल को निखारा है, वह अलग नजर आया है। वह नई चीजें सीखना चाहता था और उसने इस पर काफी मेहनत की। उसने हमेशा खुद को समय के साथ अपडेट रखा।

भारत में रिलीज होगी 'संतोष'

सुनीता रजवार और शहाणा गोस्वामी की फिल्म 'संतोष' इन दिनों खूब चर्चा में है। हाल ही में ऑस्कर 2025 के लिए शॉर्टलिस्ट हुईं फिल्मों की सूची जारी की गई, जिसमें 'संतोष' नामांकन पाने में सफल रही। हालांकि, इस फिल्म को ब्रिटेन ने आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना था। अब 'संतोष' को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। आखिरकार फिल्म की रिलीज तारीख सामने आ गई है।

10 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी फिल्म

'संतोष' को अगले साल भारत में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को दर्शकों के बीच आएगी। बता दें कि 'संतोष' का प्रीमियर कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी हो चुका है, जहां इसने जमकर वाहवाही लूटी थी। फिल्म की कहानी लोगों को खूब पसंद आई। इसे ब्रिटेन में बड़े पैमाने पर रिलीज किया गया था। इस फिल्म का निर्देशन संध्या सूरी ने किया है। इसे बनाने में ब्रिटिश निर्माताओं का भी काफी सहयोग रहा है। इस फिल्म में सुनीता और शहाणा मुख्य भूमिका में हैं। यह एक खोजी थ्रिलर फिल्म है। कहानी की बात करें तो इसमें एक महिला (संतोष) है, जिसकी नई शादी हुई है, लेकिन पति के गुजर जाने के बाद उसकी पुलिस कांस्टेबल वाली नौकरी पत्नी को मिली है, जिसके बाद वह एक लड़की की हत्या की गुत्थी सुलझाती दिखती है। संतोष के किरदार में जहां शहाणा खूब जमीं, वहीं सुनीता ने भी अपने दमदार किरदार से फिल्म में जान डाल दी।

'महाराजा' ने 'बाहुबली 2' को पछाड़ा

विजय सेतुपति और अनुराग कश्यप की फिल्म 'महाराजा' को 20 नवंबर, 2024 को चीन में रिलीज किया गया था और यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। आए दिन यह फिल्म कोई न कोई रिकॉर्ड भी तोड़ रही है। अब 'महाराजा' ने एक महीने के भीतर प्रभास की फिल्म 'बाहुबली 2 : द कन्क्लूजन' को पछाड़ दिया है। इसी के साथ यह चीन में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दक्षिण भारतीय फिल्म बन गई हैं।

'महाराजा' ने अब तक कमाए इतने करोड़ रुपये

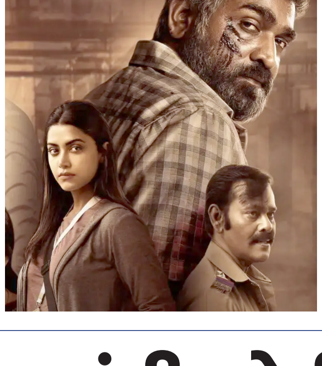

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, 'महाराजा' ने अब तक चीन में 85.75 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया हैं। इन आंकड़ों के साथ यह चीन में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दक्षिण भारतीय फिल्म बन चुकी हैं। पहले इस स्थान पर 80.50 करोड़ रुपये के साथ 'बाहुबली 2' ने कब्जा किया हुआ था। इसके अलावा 'महाराजा' चीन में 10वीं सबसे बड़ी भारतीय फिल्म भी बन गई है। इस फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते है। 'महाराजा' 14 जून को भारत में रिलीज हुई थी और यह बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। 20 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 110 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया। इस फिल्म में ममता मोहनदास और नटराजन सुब्रमण्यम जैसे सितारों ने भी अभिनय किया है।

संदीप रेड्डी वांगा संग काम करना चाहते हैं ऋषभ शेट्टी

'कांतारा' से देशभर में लोकप्रिय हुए ऋषभ शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जय हनुमान' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान 'हनु-मान' के निर्देशक प्रशांत वर्मा ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। इस बीच ऋषभ हाल ही में राणा दग्गुबाती के शो 'राणा दग्गुबाती शो' में पहुंचे, जहां उन्होंने खुलकर बातचीत की। इस शो में ऋषभ ने 'एनिमल' के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ काम करने की इच्छा जताई।

ऋषभ ने कही ये बात

अपने शो जब राणा ने ऋषभ से पूछा कि उनके पसंदीदा निर्देशक कौन हैं तो उन्होंने कहा, 'मैं संदीप रेड्डी वांगा के साथ काम करना चाहता हूं। मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। आप इसे पागलपन भी कह सकते हैं।' उन्होंने संदीप की तारीफ करते हुए आगे कहा, 'कोई भी उनकी तरह नहीं सोच सकता है और मुझे लगता है कि वह भी फिर से उसी तरह नहीं सोच सकते हैं। मैं संदीप सर के साथ काम करना पसंद करूंगा।'

चंद्र सिद्धार्थ की तेलुगु फिल्म की हीरोइन बनीं तब्बू

अभिनेत्री तब्बू को पिछली बार फिल्म 'औरों में कहां दम था' में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। यह अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। इन दिनों उन्हें वेब सीरीज 'ड्यून प्रोफेसी' में देखा जा रहा है। अब तब्बू की आगामी फिल्म से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है। दरअसल, अभिनेत्री ने अगली फिल्म के लिए जाने-माने निर्देशक चंद्र सिद्धार्थ से हाथ मिलाया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, तब्बू और सिद्धार्थ एक बार फिर से साथ आ गए हैं। निर्देशक एक तेलुगु थ्रिलर फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसमें तब्बू मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी। फिल्म 'ईदी संगति' (2008) के बाद यह तब्बू और सिद्धार्थ के बीच दूसरा सहयोग होगा। तब्बू को फिल्म की कहानी पसंद आ गई हैं और इसे करने के लिए वह तैयार हैं। फिल्म की कहानी पर काम शुरू हो चुका है।

न्यूज़ ब्रीफ

आंध्र में महिला को पार्सल में मिली डेडबॉडी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के वेस्ट गोदावरी जिले में एक महिला को एक पार्सल मिला, जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति का शव था। शव के साथ एक लेटर भी रखा हुआ था। इसमें लिखा था- 1 करोड़ 30 लाख रुपए दो वर्ना अंजाम ऐसा ही होगा। वेस्ट गोदावरी पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह पार्सल येंदागंडी गांव में रहने वाली महिला नागा तुलसी के निर्माणाधीन घर में गुरुवार रात को ऑटो रिक्शा के जरिए डिलीवर किया गया। महिला घर में अकेली रहती थी। उसका पति 10 साल पहले लापता हो गया था। शव के साथ मिले नोट में लिखा है कि आपके पति ने 2008 में 3 लाख रुपए का लोन लिया था। जो अब बढ़ते-बढ़ते 1.35 करोड़ रुपए हो गया है। अपने परिवार के साथ कुछ बुरा होते नहीं देखना चाहती तो पूरी रकम चुकानी होगी। पुलिस ने बताया कि शव को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

जन-धन खातों में 56 फीसदी महिलाओं की हिस्सेदारी

नई दिल्ली। देश में जन-धन खातों की संख्या 54.19 करोड़ पहुंच गई है, जिसमें जमा धनराशि 2.4 लाख करोड़ है। अगस्त तक कुल खातों की संख्या 53.13 करोड़ था। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़े बताते हैं कि जन-धन खातों में महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक 56 फीसदी है, जिसके चलते महिलाओं को सीधे सरकार की योजनाओं का लाभ इन खातों के माध्यम से मिल पा रहा है। योजना ने वित्तीय सेवा तक पहुंच में लैंगिक अंतर को भी एकहद तक कम किया है। आंकड़े बताते हैं कि कुल जन-धन खातों में 67 फीसदी ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हैं। अधिकांश जन-धन खाते बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट के आधार पर बायोमेट्रिक के जरिए खोले जा रहे हैं, जिसके चलते सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का पैसा सीधे डायरेक्टर बेनिफिट ट्रांसफर (सीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित हो रहा है।

AAP ने महरौली सीट पर कैंडिडेट बदला

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (AAP) ने एक और लिस्ट जारी की है। इसमें केवल एक ही नाम है। AAP ने महरौली से महेंद्र चौधरी को टिकट दिया है। पहले यहां से नरेश यादव को मैदान में उतारा था। लेकिन 5 दिन बाद ही कैंडिडेट बदल दिया गया। AAP ने 21 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच यानी 25 दिनों में कुल 4 लिस्ट में 70 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए थे। इस बार 26 मौजूदा विधायकों के टिकट काटे गए हैं।

असम पुलिस ने कांग्रेस यूथ विंग चीफ को हिरासत में लिया

गुहावटी। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दो दिन पहले पार्टी कार्यकर्ता की मौत पर विरोध प्रदर्शन से पहले असम पुलिस ने शुक्रवार सुबह से ही एहतियातन हिरासत में रखा है। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त दिगंत बराह ने कहा कि चिब को उसी होटल में रखा गया है, जहां वह ठहरे हुए थे। बुधवार को राजभवन चलो कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता मृदुल इस्लाम की मौत हो गई। चिब ने गुरुवार को पार्टी के अन्य नेताओं के साथ इस्लाम के परिवार से मुलाकात की थी।

हरियाणा के पूर्व CM ओपी चौटाला का निधन

- शिक्षक भर्ती घोटाले में तिहाड़ जेल गए
- 86 साल की उम्र में जेल से ही 10वीं-12वीं की परीक्षा पास की

एजेंसी | चंडीगढ़

हरियाणा के पूर्व CM ओमप्रकाश चौटाला का निधन हो गया है। 89 साल की उम्र में उन्होंने गुरुग्राम में अपने निवास पर अंतिम सांस ली। वह इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के चीफ थे। उन्होंने आखिरी बार 2005 में रोड़ी विधानसभा से चुनाव लड़ा था। चौटाला परिवार मूल रूप से हिसार का रहने वाला है और ये इलाका जाटों का गढ़ माना जाता है। हरियाणा की राजनीति में जाट समुदाय का अच्छा खासा प्रभाव है। राज्य में करीब 26 से 28 फीसदी आबादी है और 36 विधानसभाओं में प्रभाव है।

तीन दिन का राजकीय शोक...एक दिन की रहेगी छुट्टी

ओमप्रकाश को विरासत में मिली सियासत

हरियाणा और देश की सियासत में चौधरी देवीलाल ताऊ मशहूर रहे। वह देश के डिप्टी पीएम भी रहे। देवीलाल की 5 संतानों में चार बेटों में ओमप्रकाश चौटाला भी एक थे। उनके बाकी बेटों का नाम प्रताप चौटाला, रणजीत सिंह और जगदीश चौटाला है। जब देवीलाल डिप्टी पीएम बने तो बड़े बेटे ओमप्रकाश चौटाला ने राजनीतिक विरासत संभाली और हरियाणा के मुख्यमंत्री बने। ओमप्रकाश 1989 से 1991 तक मुख्यमंत्री रहे। 1991 में लोकसभा चुनाव हारे और यहीं से उनकी राजनीतिक यात्रा समाप्त हो गई। 1999 में ओमप्रकाश चौटाला ने बीजेपी की मदद से हरियाणा में सरकार बनाई। 2005 तक वे हरियाणा के सीएम बने। 2001 में देवीलाल का देहांत हो गया।

सीएम नायब सिंह सैनी ने किया ट्वीट

सीएम नायब सिंह सैनी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा- इनेलो सुप्रीमो और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओमप्रकाश चौटाला का निधन अत्यंत दु:खद है। उन्होंने प्रदेश और समाज की जीवनपर्यंत सेवा की है। उनका निधन देश और हरियाणा प्रदेश की राजनीति के लिए यह अपूरणीय क्षति है। वहीं उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के निधन से हरियाणा की राजनीति का एक अध्याय समाप्त हो गया है।

कैसा है चौटाला का पारिवारिक स्ट्रक्चर?

ओमप्रकाश चौटाला के दो बेटे हैं। अजय और अभय चौटाला। अजय और अभय चौटाला के दो-दो बेटे हैं। अजय चौटाला के बेटों का नामा दुष्यंत और दिग्विजय चौटाला है। दोनों ही राजनीति में हैं। वहीं, अभय चौटाला के बेटों का नाम कर्ण और अर्जुन चौटाला है। ये दोनों भी राजनीति में हैं।

87 साल की उम्र में पास की थी 10वीं-12वीं

ओम प्रकाश चौटाला ने 87 साल की उम्र में 10वीं और 12वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की थी। चौटाला ने 2019 में 10वीं की परीक्षा दी थी, लेकिन किन्हीं कारणों से अंग्रेजी का पेपर नहीं दे पाए थे। अंग्रेजी विषय का परिणाम न आने के चलते हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने उनका 12वीं का परिणाम भी रोक लिया था। अगस्त 2021 में 10वीं का अंग्रेजी का पेपर दिया था, जिसमें उन्होंने 88% अंक प्राप्त किए थे। चौटाला ने 87 साल की उम्र में 10वीं और 12वीं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की थी।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी जताया दुख

हरियाणा के पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि चौटाला से उनके पारिवारिक संबंध रहे और उन्होंने अपने मुख्यमंत्रितत्व कल में प्रदेश के विकास में काफी योगदान दिया।

एआई इंजीनियर अतुल सुभाष सुसाइड केस

अतुल की मां ने सुप्रीम कोर्ट में लगाई याचिका

- पोते की कस्टडी मांगी

एजेंसी | नई दिल्ली

एआई इंजीनियर अतुम सुभाष की मां अंजू मोदी ने अपने 4 साल के पोते की कस्टडी के सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने कोर्ट में हेबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका लगाई है। इसमें दावा किया गया है कि बेटे सुभाष की पत्नी निकिता और ससुराल पक्ष के गिरफ्तार लोग पोते के बारे में नहीं बता रहे हैं। वर्तमान में पोता कहां है इसकी जानकारी हमें नहीं है। वहीं, निकिता ने बेंगलुरु पुलिस की पूछताछ में बताया कि बेटा चाचा सुशील सिंघानिया की कस्टडी में है। फरीदाबाद के बोर्डिंग स्कूल में उसका नाम रजिस्टर्ड है। इधर सुशील ने बच्चे के बारे में जानकारी नहीं होने की बात कही है।

7 जनवरी को होगी अगली सुनवाई

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच ने याचिका पर संज्ञान लिया। उत्तर प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक की सरकारों को नोटिस जारी कर बच्चे की स्थिति का जानकारी देने का कहा है। मामले में अगली सुनवाई 7 जनवरी को होगी।

क्या है मामला?

9 दिसंबर को AI इंजीनियर अतुल सुभाष ने बेंगुलरु में अपने फ्लैट में सुसाइड नोट और वीडियो बनाकर जान दे दी थी। इसके बाद अतुल के परिवार ने पत्नी निकिता सिंघानिया और उसके परिवार पर अतुल को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगाए थे।

याचिकाकर्ताओं की तीन मांगे

1. अगर एक पक्ष अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर या किसी दूसरे राज्य में रहता है तो उसे वर्चुअली पेशी की इजाजत दी जाए।
2. दहेज और IPC या BNS के तहत गंभीर यौन अपराध के आरोपों की शुरुआती जांच की जाए। सिर्फ एक शिकायत के आधार पर पूरे परिवार के खिलाफ FIR न दर्ज की जाए।
3. पर्सनल लॉ में गुजारा भत्ता का मुद्दे साफ नहीं है इसलिए याचिका में कहा गया है कि इसका समाधान UCC के जरिए किया जा सकता है।

कर्नाटक में बीजेपी नेता सीटी रवि को जमानत

- कर्नाटक हाई कोर्ट ने तुरंत रिहाई के आदेश दिए
- महिला मंत्री को प्रॉस्टिट्यूट कहने का आरोप

एजेंसी | बेंगलुरु

कर्नाटक के भाजपा नेता और विधान परिषद सदस्य सीटी रवि को कर्नाटक हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। कोर्ट ने उनको तुरंत रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस एमजी उमा ने साफ किया कि रवि को पूछताछ के लिए उपलब्ध रहना होगा और जांच में सहयोग करना होगा। उन्हें महिला और बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर को प्रॉस्टिट्यूट कहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

लक्ष्मी ने सीटी रवि के खिलाफ बेलगावी के हिरेबागीवाड़ी पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज कराई थी, जिसके बाद रवि को पूछताछ के लिए खानपुरा पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया। रवि ने मंत्री लक्ष्मी के आरोपों का खंडन किया और कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं बोला है। कांग्रेस उन्हें फंसा रही है। उन्होंने कभी महिला मंत्री के लिए इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया।

हत्या की साजिश रचने का आरोप

रवि ने कांग्रेस नेताओं और पुलिस पर उनकी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया। लिखित शिकायत में उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कुछ होता है तो पुलिस और कांग्रेस इसकी जिम्मेदार होगी। गिरफ्तारी के बाद रवि को बेलगावी जिला कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें बेंगलुरु स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है।

महफूज आलम ने भारत के खिलाफ उगला जहर

एजेंसी | नई दिल्ली

एक तरफ जहां बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले बंद नहीं हो रहे। वहीं, दूसरी ओर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सलाहकार महफूज आलम ने भारत विरोधी टिप्पणी की है, जिस पर विदेश मंत्रालय ने कड़ा विरोध जाहिर किया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सलाहकारों में से एक महफूज आलम के एक फेसबुक पोस्ट को लेकर बवाल मचा हुआ है।

पोस्ट में क्या था?

महफूज ने फेसबुक पोस्ट में दावा किया था कि उनका सपना समग्र बंगाल का है। भारत, पाकिस्तान की राजनीति के कारण बंगाल खंडित है। उन्होंने पोस्ट में लिखा,'विजय तो मिल गई है, लेकिन पूर्ण मुक्ति अभी भी दूर है। हम हिमालय से लेकर बंगाल की खाड़ी तक टाउनशिप बहाल किए बिना पूर्वी पाकिस्तान के जरिए बांग्लादेश से मुक्ति नहीं पा सकते। भले ही वो बांग्लादेश के अंतरिम सरकार में मंत्री नहीं है, लेकिन वो प्रभावशाली लोगों में से एक हैं।'

भारत ने जताया कड़ा विरोध

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि हमने इस मुद्दे पर बांग्लादेश पक्ष के समक्ष अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भारत सरकार ने अनुरोध किया है कि बांग्लादेश की तरफ से कोई ऐसे कमेंट न किए जाएं जो भारत विरोधी है। हालांकि, महफूज आलम ने बाद में फेसबुक पोस्ट डिलीट कर दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमने इस मुद्दे पर बांग्लादेश पक्ष के समक्ष अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है। हम समझते हैं कि जिस पोस्ट का उल्लेख किया जा रहा है, उसे कथित तौर पर हटा दिया गया है। हम सभी संबंधित पक्षों को याद दिलाना चाहेंगे कि वे अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों के प्रति सचेत रहें।

'राम-मंदिर जैसे मुद्दे हर जगह मत खड़ा कीजिए'

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर-मस्जिद विवादों पर फिर दी नसीहत

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में लगातार अलग-अलग जगहों पर उठते मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत ने फिर बोला है। हिंदूवादी नेताओं को फिर नसीहत दी है। नसीहत कि राम मंदिर जैसे मुद्दों को कहीं और न उठाएं। किसी का नाम लिए बिना ये तक कह दिया कि अयोध्या में राम मंदिर बन जाने के बाद कुछ लोग ऐसे मुद्दों को उछालकर खुद को 'हिंदुओं का नेता' साबित करने की कोशिश में लगे हैं। संघ प्रमुख दो-ढाई साल पहले भी हिंदूवादी नेताओं को इसी तरह की नसीहत दे चुके हैं। अब फिर ऐसी नसीहत की नौबत क्यों आई? ताजा बयान की इनसाइड स्टोरी जान लीजिए।

संघ प्रमुख ने अब क्या कहा है?

सबसे पहले बात भागवत की ताजा टिप्पणी की कि आखिर संघ प्रमुख ने कहा क्या है। पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान गुरुवार को भागवत ने कहा कि राम मंदिर बनने के बाद कुछ लोगों को लगता है कि बाकी जगहों पर भी इसी तरह का मुद्दा उठाकर वो 'हिंदुओं के नेता' बन जाएंगे। 'विश्वगुरु भारत' विषय पर भागत ने कहा, 'राम मंदिर आस्था का विषय था, और हिंदुओं को लगता था कि इसका निर्माण होना चाहिए... नफरत और दुश्मनी के कारण कुछ नए स्थलों के बारे में मुद्दे उठाना अस्वीकार्य है।' मोहन भागवत ने कहा कि भारत को सभी धर्मों और विचारधाराओं के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'उग्रवाद, आक्रामकता, बल प्रयोग और दूसरों के देवताओं का अपमान करना हमारी संस्कृति नहीं है...यहां कोई बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक नहीं है; हम सब एक हैं। इस देश में सभी को अपनी पूजा पद्धति का पालन करना चाहिए, करने देना चाहिए।'

दोपहर टिप्पणी

भागवत को क्यों फिर देनी पड़ी नसीहत?

अगर भागवत को नसीहत देनी पड़ी है तो इसकी वजह अलग-अलग जगहों पर नए-नए मंदिर-मस्जिद विवाद का सामने आना है। हाल के दिनों में कई जगहों पर मंदिर-मस्जिद विवाद सामने आए हैं। यूपी के संभल में कोर्ट के आदेश पर वहां की जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर इतना बवाल हुआ कि सर्वे का विरोध करने वाली भीड़ और पुलिस की झड़प में 5 लोगों की मौत हो गई। संभल के बाद बदायूं, फतेहपुर सिकरी, बरेली जैसे कई जगहों पर मस्जिदों के नीचे मंदिर होने के दावे सामने आए। अदालतों में मामले पहुंचे। इनके अलावा अजमेर शरीफ के हिंदू मंदिर होने का दावा किया जा रहा है। जौनपुर की अटाला मस्जिद को लेकर भी ऐसे ही दावे किए जाते रहे हैं। दलील दी जाती है कि आंक्रांताओं ने अपने-अपने दौर में मंदिरों को तोड़कर उनके ऊपर मस्जिदें बना दी। इस तरह के नए-नए मुद्दों के उठने से सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान हो सकता है। इसीलिए संघ प्रमुख को फिर नसीहत देनी पड़ी है कि नई जगहों पर राम मंदिर जैसे मुद्दे न उठाए जाएं।

नारियल तेल बालों के लिए अच्छा है या खाने के लिए?

सुप्रीम कोर्ट ने सुलझाई 20 साल पुरानी पहेली

एजेंसी | नई दिल्ली

नारियल तेल बालों के लिए अच्छा है या खाने के लिए? देश की सर्वोच्च अदालत ने आखिरकार इस पहेली को सुलझा लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नारियल तेल पर लगने वाले एक्साइज ड्यूटी के 20 साल पुराने विवाद का निपटारा कर दिया। सीजेआई समेत तीन जजों की बेंच ने फैसला सुनाया कि शुद्ध नारियल तेल खाने का तेल है या बालों का तेल, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उसे कैसे बेचा जा रहा है। CJI संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि अगर नारियल तेल खाद्य तेल के रूप में बेचा जाता है और खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करता है, तो उसे खाने का तेल माना जाएगा। हालांकि, अगर उसे बालों के तेल के रूप में बेचा जाता है। ये ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के नियमों का पालन करता है, तो उसे बालों का तेल माना जाएगा। यह मामला 20 साल से चल रहा था। इस पर पहले भी दो जजों की अलग-अलग राय आई थी।

रेवेन्यू डिपार्टमेंट का तर्क खारिज

यह मामला उत्पाद शुल्क, जुर्माना और ब्याज को मिलाकर लगभग 160 करोड़ रुपये का था। राजस्व विभाग का तर्क था कि शुद्ध नारियल तेल को हमेशा बालों के तेल के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि नारियल तेल छोटे डिब्बों में बेचा जाता है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह बालों का तेल है।

ब्रांडिंग पर निर्भर करेगा फैसला

जस्टिस संजय कुमार ने फैसला लिखते हुए राजस्व विभाग की इस दलील को खारिज कर दिया कि शुद्ध नारियल तेल को हमेशा हेयर ऑयल के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि छोटे डिब्बे खाने के तेल और बालों के तेल, दोनों के लिए आम हैं। इसलिए, तेल को वर्गीकृत करने के लिए पैकेजिंग के आकार के अलावा कुछ और होना चाहिए। इससे पहले, इस मामले पर तत्कालीन CJI गोगोई और जस्टिस आर. भानुमति की बेंच ने अलग-अलग राय दी थी। जस्टिस गोगोई का मानना था कि छोटे पैकेट में बिकने वाला नारियल तेल खाने का तेल है, जबकि जस्टिस भानुमति का मानना था कि यह बालों का तेल है। सुप्रीम कोर्ट के इस नए फैसले से नारियल तेल के वर्गीकरण को लेकर चल रहे विवाद का अंत हो गया है। इससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को स्पष्टता मिलेगी। यह फैसला देश के अलग-अलग हिस्सों में नारियल तेल के दोहरे इस्तेमाल को भी ध्यान में रखता है।

पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने NHRC प्रमुख बनाए जाने के दावों को किया खारिज

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को मीडिया में आई उन खबरों को 'झूठा' करार दिया, जिनमें यह दावा किया गया था कि उन्हें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जा रहा है। जस्टिस चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट के 50वें सीजेआई रहे। 10 नवंबर को इस पद से वह सेवानिवृत्त हो गए थे। चंद्रचूड़ ने कहा, 'यह (एनएचआरसी के अध्यक्ष बनाने पर विचार) झूठ है। अभी मैं अपनी सेवानिवृत्त जिंदगी का आनंद ले रहा हूं।' सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज अरुण कुमार मिश्रा का एनएचआरसी के

अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल एक जून को समाप्त हो गया था। तबसे यह पद खाली पड़ा है।

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अध्यक्षता में 18 दिसंबर को एक उच्च स्तरीय समिति ने एनएचआरसी के नए अध्यक्ष का चयन करने के लिए बैठक की थी। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता और पार्टी नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में इस बैठक में भाग लिया था। सेवानिवृत्त जज अरुण कुमार मिश्रा ने जून 2021 में एनएचआरसी प्रमुख का कार्यभार संभाला था। एनएचआरसी के अध्यक्ष के चयन के लिए गठित चयन समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं, जबकि इसमें लोकसभा अध्यक्ष, गृह मंत्री, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता और राज्यसभा के उप सभापति भी सदस्य होते हैं। जस्टिस मिश्रा के सेवानिवृत्त होने के बाद एनएचआरसी की सदस्य विजया भारती को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। एनएचआरसी अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति एक चयन समिति की सिफारिश पर करते हैं।